



सत्यमेव जयते

रक्षा अलंकरण समारोह 2026

DEFENCE INVESTITURE CEREMONY 2026

(PHASE - I)

D (CEREMONIAL)
MINISTRY OF DEFENCE
NEW DELHI

08 जून 2026
राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली

08 June 2026
Rashtrapati Bhavan, New Delhi



“शौर्य चक्र”

इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट

इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख

छत्तीसगढ़ पुलिस

दिनांक 16.04.2024 को छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में 187 जवानों की एक टीम द्वारा अंजाम दी गई।

एसएसपी कांकेर को प्राप्त एक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में एक अभियान शुरू किया गया। नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया था और लगभग 1300 बजे उन्होंने सुरक्षा बलों को मारने और हथियार व उपकरण लूटने के इरादे से भीषण गोलीबारी की। सुरक्षा बलों द्वारा गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने के सभी प्रयासों के बावजूद नक्सलियों ने लगातार गोलीबारी जारी रखी और सुरक्षा बलों को आत्मरक्षा में गोलीबारी करने के लिए मजबूर किया।

लगभग 200 जवानों की जान दांव पर लगी होने के कारण स्थिति में अत्यधिक साहस और धैर्य की आवश्यकता थी। इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट ने मौके पर ही जवाबी रणनीति बनाई, उसे अपने साथियों तक पहुंचाने और लगभग पूरी तरह से क्रियान्वयन का समन्वय करने में कुशल व्यवहार और धैर्य का परिचय दिया। जवाबी घात रणनीति उत्कृष्ट और साहसिक थी, जिसने नक्सलियों को आश्चर्यचकित कर दिया।

तीन घंटे से ज्यादा समय तक गोलीबारी जारी रही जिसमें सुरक्षा बल के चार जवान घायल हो गए। कमांडर लक्ष्मण केवट ने गोलीबारी का जवाब देते हुए तत्काल बचाव योजना बनाई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लाए, जबकि नक्सलियों से मुठभेड़ जारी रही।

घटना के बाद घटना स्थल की घेराबंदी कर दी गई और तलाशी अभियान चलाया गया जिसमें कई नक्सलियों के शव एवं भारी मात्रा में अल्पधुनिक हथियार कारतूस, नक्सली साहित्य और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुईं। छत्तीसगढ़ के नक्सल अभियानों में यह बड़ी सफलता इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर देशमुख के आसाधारण साहस और नेतृत्व के कारण मिली।

अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए **इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

INSPECTOR LAXMAN KEWAT INSPECTOR RAMESHWAR PRASAD DESHMUKH CHHATTISGARH POLICE

On 16.04.2024, the largest ever encounter in Chhattisgarh was carried out by a team of 187 men led by the Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

Based on an input received by SSP Kanker, an operation was launched led by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh. The naxals had laid out an ambush and at around 1300 hours a massive outburst of fire was carried out by them which aimed to kill security forces and loot weapons and equipment. Despite all efforts of forces to halt the fire and surrender, naxals continued constant bursts of fire and forced the forces to open fire in self-defence.

The situation required extreme courage and composure as lives of nearly 200 men were at stake. Inspector Laxman Kewat demonstrated skilled behaviour and fortitude in developing a counter strategy on the spot, communicating it to fellow men and coordinating the execution in a near perfect manner. The counter ambush tactics deployed were outstanding and bold, catching the Naxals by surprise.

The firing continued for over three hours which injured 4 members of the forces. Commander Laxman Kewat planned an immediate rescue plan while countering the fire, and rescued the injured to safety while the engagement with naxals continued.

After the incident, site was cordoned off and search operations were conducted. The dead bodies of numbers of naxals alongwith large number of advanced weapons were received. This massive success in Chhattisgarh's naxal operations was due to the exceptional courage and leadership demonstrated by Inspectors Laxman Kewat and Rameshwar Deshmukh.

For their act of exceptional gallantry and courage, Inspector laxman Kewat and **Inspector Rameshwar Prasad Deshmukh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-75018एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला (19वीं बटालियन दि सिख रेजिमेंट)

13 जुलाई, 2024 को आतंकवादियों के एक समूह द्वारा संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर, लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला के नेतृत्व में नियंत्रण रेखापर एक घात दस्ता लगाया गया।

उनकी निगरानी टीम ने 14 जुलाई 2024 को 1445 बजे तीन आतंकवादियों को देखा और पूर्व चेतावनी दी। अत्यधिक उत्कृष्ट सूझ-बूझ दिखाते हुए इन्होंने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तुरंत अपने सैनिकों को समायोजित किया।

1510 बजे, जैसे ही आतंकवादी हत्या क्षेत्र में दाखिल हुए, उन्होंने उन पर भारी गोलीबारी की। पहले आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला और उनके साथियों पर ग्रेनेड फेंका। अपने साथियों के लिए खतरे को महसूस करते हुए, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए अधिकारी आतंकवादी की ओर बढ़े और उसे नजदीक से मार डाला। गोलीबारी के दौरान वह दूसरे आतंकवादी के आमने-सामने आ गए और सटीक गोलीबारी में आतंकवादी को मार डाला।

खुद लड़ते हुए भी उन्होंने ऑपरेशन को पूरी तरह से नियंत्रण में रखा और तीसरे आतंकवादी के खात्मे में सहायता की, जो उनके साथियों पर फायर कर रहा था। अधिकारी ने अपने साथियों की सुरक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डाली और ऑपरेशन को सफल किया। इस ऑपरेशन में तीन भारी हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

उनके अदम्य साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व और बिना अपने किसी नुकसान के ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए, **लेफ्टिनेंट कर्नल नीतेश भारती शुक्ला को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-75018X LIEUTENANT COLONEL NEETESH BHARTI SHUKLA (19TH BATTALION THE SIKH REGIMENT)

On receipt of specific input regarding infiltration by a group of terrorists, an ambush under Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla was laid along the Line of Control on 13 July 2024.

At 1445 hours, on 14 July 2024, his surveillance team spotted three terrorists and provided early warning. Showing outstanding presence of mind, he quickly re-adjusted ambush to trap terrorists.

At 1510 hours, as terrorists entered killing zone, he brought down heavy fire onto them. The leading terrorist, firing indiscriminately, threw grenades onto Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla and his team. Realising grave danger to his men, unmindful of his own safety, officer crawled towards terrorist amidst heavy fire and killed him at close proximity. In ensuing firefight, he came face to face with second terrorist, killing him with accurate fire.

He continued to resolutely control operation and assisted in elimination of third terrorist who was pinning down his team. The officer risked his life to safeguard his troops and ensured success of operation. The operation eliminated three heavily armed foreign terrorists.

For planning and executing a clinical operation without own casualty, **Lieutenant Colonel Neetesh Bharti Shukla is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-87240एल मेजर आदित्य प्रताप सिंह, एसएम
(दि राजपुताना राईफल्स, 44 असम राईफल्स)

मेजर आदित्य प्रताप सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में उग्रवादियों के भारी हथियार-लैस समूह की घुसपैठ और बड़े पैमाने पर सुरक्षाबलों पर बम विस्फोट और हमला करने की खबर मिलने पर एक ऑपरेशन शुरू किया।

भारत-म्यांमार सीमा पर कठोर मौसम और अमानवीय परिस्थितियों में 72 घंटे निगरानी करके अधिकारी ने 25 अक्टूबर 2024 को नाले के पास उग्रवादियों के समूह को ढूंढ निकाला। रणनीतिक कौशल और युद्धकला से अपने दल का अग्रणी नेतृत्व करते हुए अपने जवानों पर गंभीर खतरे को महसूस किया तब अपनी जान की परवाह किए बिना वह कट्टर उग्रवादियों के नजदीक बढ़े जहाँ उग्रवादियों ने तीस मीटर से उनपर भयंकर गोलाबारी शुरू कर दी। निर्भीक-दृढ़ अधिकारी ने रेंगते हुए सभी उग्रवादियों पर भारी मात्रा में गोलीबारी करते हुए अकेले ही खूंखार और मोस्ट वांटेड उग्रवादी को मार गिराया, जिसके पास भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई।

अद्वितीय पराक्रम और कर्तव्य की पराकाष्ठा से ऊपर निःस्वार्थ सेवा तथा उग्रवादी हमले को निष्काम करने के लिये **मेजर आदित्य प्रताप सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-87240L MAJOR ADITYA PRATAP SINGH, SENA MEDAL (THE RAJPUTANA RIFLES/ 44 ASSAM RIFLES)

On receiving input regarding infiltration of heavily armed group of insurgents of a proscribed insurgent group with plans of striking Security Forces by blasting Improvised Explosive Devices in Arunachal Pradesh close to border, Major Aditya Pratap Singh launched a deliberate operation.

After surveillance for more than seventy-two hours in treacherous terrain and harsh weather near Indo-Myanmar Border, officer successfully located insurgents near Nallah on 25 October 2024. With great stealth, guile and leading from front, he assessed the instant security situation. With utter disregard to his personal safety, he closed-in with group of hard-core insurgents who opened heavy fire upon him from a very close range of thirty metres. Undaunted, undeterred, officer maneuvered fearlessly firing heavily on all insurgents. He single handedly killed the dreaded and most wanted insurgent, recovering huge cache of warlike stores including weapon, ammunitions, explosives, detonators, cordtex, batteries and material for Improvised Explosive Devices.

For this gallant act and exceptional bravery in foiling a major attack by insurgents, **Major Aditya Pratap Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-83864ए मेजर आशीष कुमार

7 पैरा (विशेष बल)

मेजर आशीष कुमार ने अनंतनाग में 01-02 नवंबर 2024 को एक ऑपरेशन के दौरान असाधारण नेतृत्व और बहादुरी का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप दो कट्टर आतंकवादी मार गिराए गए।

अपने दस्ते का नेतृत्व कर रहे अधिकारी ने आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले संभावित मार्गों का अनुमान लगाया और घने जंगल एवं पहाड़ी इलाके में 96 घंटे निगरानी रखते हुए घात लगाई। आतंकवादियों की हरकतों का पता चलने पर, अधिकारी ने अपना संयम बनाए रखते हुए स्काउट्स को आतंकवादियों की हरकतों पर नजर रखने का आदेश दिया। आतंकवादियों के पास हथियार की पहचान होने पर और जब वे दस्ते के स्थान से बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर थे, तो उन्होंने व्यक्तिगत रूप से आतंकवादियों को चुनौती दी जिन्होंने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

आतंकवादियों ने संपर्क तोड़ने का भरपूर प्रयास किया। मेजर आशीष कुमार ने अदम्य साहस और अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, आतंकवादियों के पास जाकर उन पर प्रभावी गोलीबारी की। उन्होंने पूरे दस्ते, सहायक हथियारों और स्नाइपर टुकड़ियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से समन्वय किया और दोनों आतंकवादियों को मार गिराया।

मेजर आशीष कुमार के नेतृत्व और बहादुरी ने दो कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया, जिसमें श्रेणी ए++ आतंकवादी भी शामिल थे, जो जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों पर कई हमलों के लिए जिम्मेदार था। **मेजर आशीष कुमार को उनकी अदम्य साहस और बहादुरी के लिए “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-83864A MAJOR ASHISH KUMAR

7TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

Major Ashish Kumar demonstrated exceptional leadership and bravery during a counter terrorist operation in Anantnag on 01-02 November 2024, which led to neutralization of two hard-core terrorists.

The officer leading his squad anticipated the likely routes of transit used by the terrorists and deployed 96 hours' surveillance cum ambush in the densely forested and mountainous terrain. On detecting the terrorists' move, the officer maintaining his composure ordered the scouts to continue observing the move of terrorists. On positive identification of weapon with terrorists and when they were barely 50 meters from the Squad location, he personally challenged the terrorists who fired indiscriminately towards him.

The terrorists attempted to break contact, Major Ashish Kumar with raw courage and disregard to own safety, closed in with the terrorists under live fire and brought down effective fire on them. He also effectively coordinated the fire of entire squad, support weapons and sniper detachments thereby eliminating both the terrorists.

Major Ashish Kumar's leadership and bravery ensured elimination of two hard-core terrorists including a, Category A++ terrorist who was responsible for numerous attacks on Security Forces in Jammu region and Kashmir valley. For his unwavering courage and bravery **Major Ashish Kumar is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

115069477 सिपाही/जीडी संजय तिवारी
115342883 सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार
(सीआरपीएफ)

02 नवंबर 2024 को लगभग 0245 बजे, पुलिस थाना खानयार के अंतर्गत ठग मोहल्ला क्षेत्र में एक विदेशी आतंकवादी की मौजूदगी की सूचना मिलने पर, सिपाही/जीडी संजय तिवारी, सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार एवं उनकी टीम ने तेजी से एक अभेद्य घेरा बनाया, और लक्षित मकान के बाएं हिस्से में फायरबेस 3 पर स्वयं मुस्तैद हुए।

जैसे ही तलाशी शुरू हुई, लक्षित घर से उनके फायरबेस की ओर दुश्मन की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी संजय तिवारी एवं सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार ने निर्णायक रूप से कवर लिया और रणनीतिक रूप से जवाबी गोलीबारी की। गतिरोध को तोड़ने, डाउन टाउन में कानून-व्यवस्था की समस्याओं को बढ़ने से रोकने एवं खतरे को बेअसर करने के लिए रूम इंटरवेंशन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, ताकि आतंकी के भागने की किसी भी संभावना को रोकने के लिए अंधेरे का सहारा लिया जा सके।

तय योजना के अनुसार, रूम इंटरवेंशन अभियान हेतु तीन आक्रमण दल का गठन किया गया जिसमें वे अग्रणी आक्रमण दल का हिस्सा थे। आक्रमण दल समन्वित रूप से लक्षित मकान के लोहे के मुख्य द्वार की ओर बढ़ते हुए एक-दूसरे को कवर फायर प्रदान किया। कैटरपिलर मूवमेंट और लीपफ्रॉग तकनीकों का उपयोग करते हुए, जैसे ही वे प्रवेश द्वार के पास पहुँचे, टीमों पर ग्रेनेड हमलों सहित भारी गोलीबारी शुरू हो गई। सिपाही/जीडी संजय तिवारी एवं सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार ने "फायर एंड मूव" रणनीति के साथ आगे बढ़ना जारी रखा। भारी गोला बारी के बीच वे धीरे-धीरे आगे बढ़े और लक्षित घर के मुख्य प्रवेश द्वार के पास डट गए। चूंकि दरवाजा थोड़ा खुला था, जिस कारण आतंकवादी द्वारा दो ग्रेनेड उनकी तरफ फेंके, जिनके फटने के परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र घने काले धुएं और मलबे से ढक गया। सीमित दृश्यता के बावजूद, उन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा और बैलिस्टिक शील्ड का उपयोग करके खुद को सुरक्षित रखा। गोलीबारी के दौरान, सिपाही/जीडी संजय तिवारी के बाएं घुटने और गर्दन के दाहिने तरफ और पेट के निचले हिस्से में गोली लगी जबकि सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार के दाहिने पैर में गोली लगी। इसके बावजूद, उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, दुश्मन के ठिकानों पर गोली दागी और एक मिनट से भी कम समय में आतंकवादी को मार गिराया।

एक अत्यंत तीव्र लड़ाई में गोली लगने के बावजूद, गंभीर एवं आसन्न खतरे का सामना करते हुए रूम इंटरवेंशन हमले के दौरान, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा/जीवन की परवाह न करते हुए, अदम्य साहस, असाधारण वीरता के लिए **सिपाही/जीडी संजय तिवारी एवं सिपाही / जीडी फिदा हुसैन डार को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।**



“SHAURYA CHAKRA”

115069477 CONSTABLE/GD SANJAY TIWARI

115342883 CONSTABLE/GD FEDA HUSSAIN DAR

(CRPF)

On 2nd November 2024, at approximately 0245 hrs, upon being briefed about the presence of a foreign terrorist in the Thug Mohalla area, under PS Khanyar, Ct/GD Sanjay Tiwari, Ct/GD Feda Hussain Dar and his team swiftly laid an impeccable cordon with surprise, positioning himself at Firebase 3 on the left portion of the target house.

As the search started, hostile fire erupted from the target house toward his firebase. Ct/GD Sanjay Tiwari and Ct/GD Feda Hussain Dar decisively took cover and returned fire tactically. To break the impasse and prevent potential escalation of law and order issues in downtown, it was decided to carry out a room intervention to neutralize the threat, using the cover of darkness to prevent any possibility of escape.

As per Ops planning, three room intervention assault group were formed and he was the part of leading assault group. The assault group moved in a coordinated manner, entering the target house from the main iron gate and providing covering fire for one another. Using a caterpillar movement and leapfrog techniques, they advanced towards the house. As they neared the entrance, the teams came under heavy fire, including grenade attacks. Ct/GD Sanjay Tiwari and Ct/GD Feda Hussain Dar continuing their advance with fire-and-move tactics. They advanced inch by inch and positioned himself near the main entrance door of the target house. As the door was slightly opened, two grenades exploded near his position, enveloping the area in thick black smoke and debris. Despite the limited visibility, he continued to hold their position. During the exchange of fire Ct/GD Sanjay Tiwari sustained bullet/splinter injuries in his left patella, right side of the neck and groin area while Ct/GD Feda Hussain Dar sustained bullet/splinter injuries in his right patella. Despite sustaining bullet/splinter injuries, they demonstrated nerves of steel, concentrated his fire on the enemy position, neutralizing the terrorist in less than a minute.

For exhibition of unparalleled valour, exceptional courage, conspicuous bravery, despite sustaining bullet injuries in an intense close quarter battle and in the face of grave and imminent danger with utter disregard to their personal safety/lives, **Ct/GD Sanjay Tiwari and Ct/GD Feda Hussain Dar are awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

**एआर-425वाइ सहायक कमांडेंट
(वर्तमान में डिप्टी कमांडेंट) मोहम्मद शफ़िक**

26 असम राईफल्स

सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफ़िक मोहम्मद शफ़िक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना कई बाधाओं के बावजूद उच्च स्तर की बहादुरी, अनुकरणीय सामरिक कौशल और सूझबूझ का परिचय देते हुए भारी गोलीबारी के बीच एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया।

05 नवंबर 2024 को 26 असम राईफल्स का क्षेत्र प्रभुत्व गश्ती दल चंतावाड़ी गाँव में पहुँचा और आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी की चपेट में आ गया। गश्ती दल ने तुरंत गोलीबारी का जवाब दिया और आतंकवादियों ने पास के घर में शरण ली। यह सूचना प्राप्त होने पर अतिरिक्त टुकड़ियों को तुरंत संपर्क स्थान पर भेजा गया और सहायक कमांडेंट मोहम्मद शफ़िक के नेतृत्व में एक टुकड़ी को लक्ष्य घर के उत्तर पूर्व हिस्से में तैनात किया गया। जब गोलीबारी जारी थी तभी लगभग 2015 बजे अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया। उस समय, असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद शफ़िक ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, भारी गोलीबारी के बीच आतंकवादी के करीब जाकर उसे बेहद नजदीक से ढेर कर दिया और अपने सैनिकों को बिना किसी नुकसान के भारी मात्रा में युद्ध जैसी सामग्री बरामद की।

अदम्य साहस, सर्वोच्च नेतृत्व और असाधारण सामरिक कौशल का परिचय देते हुए ए+++ श्रेणी के आतंकवादी को मार गिराने के लिए सहायक **कमांडेंट मोहम्मद (वर्तमान में डिप्टी कमांडेंट) शफ़िक को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

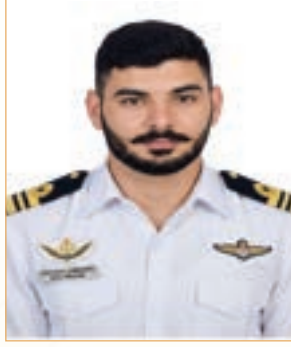
AR-425Y ASSISTANT COMMANDANT (NOW DEPUTY COMMANDANT) MOHD SHAFIQ

26 ASSAM RIFLES

Assistant Commandant Mohd Shafiq has unmindful of his personal safety demonstrated bravery of highest order, exemplary tactical acumen and presence of mind under heavy odds neutralized a hardcore terrorist.

On 5th November 2024, an area domination patrol of, 26 Assam Rifles moved to village Chuntawadi and, came under effective fire from terrorists. The fire was immediately retaliated by the patrol and terrorists took refuge in nearby house. On receipt of this information additional columns were immediately mobilized to encounter location and one column led by Assistant Commandant Mohd hafiq was deployed on North-Eastern side of target house. While the firefight was in progress, approximately at 2015 hours, taking advantage of darkness, the terrorists attempted to break the cordon. At this time, Assistant Commandant Mohd Shafiq unmindful of his personal safety closed in to the terrorist under heavy fire and eliminated him from a very close range without any loss to own troops and recovered huge quantities of war like stores.

For displaying raw courage, leadership of highest order and exceptional tactical acumen in neutralising an A+++ category, **Assistant Commandant (Now Deputy Commandant) Mohd Shafiq is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

09213-N लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर

-

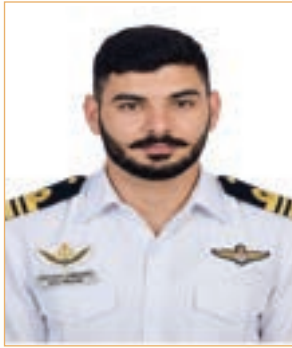
लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर (09213-N) ने 05/06 नवंबर, 2024 को एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (CASO) शुरू किया, जिसमें अधिकारी ने अनुकरणीय साहस और नेतृत्व का परिचय दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक विदेशी आतंकवादी (ग्रेड A++) का सफलतापूर्वक सफाया हुआ और युद्ध सामग्री बरामद हुई।

चुंटावाड़ी गाँव के एक घर में छिपे दो आतंकवादियों द्वारा सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर ने लक्ष्य क्षेत्र के बेहद करीब एक उचित स्थान की पहचान की और उस पर कब्जा करके अदम्य साहस और उत्कृष्ट फील्ड स्किल का परिचय दिया।

घेरे में फँसे एक आतंकवादी ने घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर ने तुरंत स्थिति की गंभीरता को भांप लिया और निडर होकर छिपे हुए दूसरे आतंकवादी पर जानबूझकर निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने अपनी सेना को भी समय पर सूचित किया। परिणामस्वरूप, लगभग 2025 बजे अपनी सेना द्वारा आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इसके बाद, अधिकारी ने सूर्योदय तक लक्ष्य क्षेत्र की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की और बाद में एक संयुक्त दल का नेतृत्व किया जिसने युद्ध जैसे भंडार बरामद किए।

अधिकारी ने सामान्य कर्तव्य से बढ़कर सेवा की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप विशिष्ट वीरता के प्रदर्शन के लिए **लेफ्टिनेंट कमांडर सूरज पराशर को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया गया है।**



“SHAURYA CHAKRA”

09213-N LIEUTENANT COMMANDER SURAJ PRASHAR

-

Lt Cdr Suraj Prashar (09213-N) launched a joint Cordon and Search Operation (CASO) on 05/06 Nov 24 wherein the officer displayed exemplary courage and leadership resulting in successful elimination of one foreign terrorist (graded A++) and recovery of warlike stores.

Despite indiscriminate firing by the terrorists who had taken refuge in a house in the Chuntawadi Village on the troops, Lt Cdr Suraj Prashar displayed raw courage and excellent field craft in identifying and occupying a vantage position in extremely close proximity from the target area.

One of the cornered terrorists tried to break the cordon inflicting non-fatal gunshot injuries onto the troops. Lt Cdr Suraj Prashar immediately realised the gravity of situation and fearlessly opened aimed deliberate fire on the other terrorist who was still in hiding, whilst keeping own forces apprised in real-time, thereby, resulting in successful neutralisation of the terrorist by own forces at about 2025 hrs.

Thereafter, the officer ensured continuous monitoring of the target area till sunrise and later spearheaded a joint team which recovered war like stores.

For the conduct of officer was way beyond the normal call of duty, displaying conspicuous gallantry as per the highest traditions of the service. **Lt Cdr Suraj Prashar is awarded with “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

254831-N राम गोयल

सी । (एमसी) (वर्तमान में एलएस)

राम गोयल, सी । (एमसी), 254831एन को 24 जुलाई से 24 दिसंबर तक जम्मू और कश्मीर के उत्तरी नौसेना टुकड़ी में तैनात किया गया था। ऑपरेशन चुन्तावाड़ी के दौरान, 05/06 नवंबर को उन्होंने असाधारण साहस का परिचय देते हुए एक पाकिस्तानी के श्रेणी A++ आतंकवादी को मार गिराया।

वे भारी गोलीबारी के बीच लक्षित घर से 50 मीटर की दूरी पर एक क्षेत्र की घेराबंदी करने के लिए तैनात थे, जहाँ दो आतंकवादी छिपे हुए थे।

राम गोयल, सी । (एमसी) ने अत्यधिक सामरिक परिपक्वता का परिचय दिया और लक्षित घर में छिपे दूसरे आतंकवादी को पकड़ने के लिए कई बार निडरता से अपनी आड़ तोड़ सटीक गोलीबारी की। इसके बाद, उन्होंने सूर्योदय तक लक्षित घर की निरंतर निगरानी की और सुनिश्चित सुबह, अपने साथी के साथ लक्षित घर में प्रवेश कर सफाई की, जिसके परिणामस्वरूप निष्प्रभावी आतंकवादियों के शव बरामद हुए और कई युद्ध जैसे सामान बरामद हुए।

कर्तव्य से परे, चतुर सामरिक कौशल, अदम्य साहस और विशिष्ट वीरता का प्रदर्शन करने के लिए, **राम गोयल, एसईए । (एमसी) (वर्तमान में एलएस), 254831-एन को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया गया है।**



“SHAURYA CHAKRA”

254831-N RAM GOYAL

SEA I (MC) (Now LS)

Ram Goyal, SEA I (MC), 254831N was deployed at Naval Detachment North, Jammu and Kashmir from Jul 24 to Dec 24. During Op Chuntawadi, on 05/06 November he displayed exceptional courage resulted in neutralisation of one Pakistani terrorist of Category A++.

He was responsible for cordon an area at a distance of 50m from the target house under a heavy volume of fire where two terrorists were hiding.

Ram Goyal, SEA I (MC) displayed immense tactical maturity and fearlessly broke his cover multiple times to deliver accurate fire to pin down the other terrorist hiding in the target house. Thereafter, he provided sustained surveillance of the target house till sunrise and, on the ensuing morning, entered the target house with his buddy for sanitisation resulting in recovery of the dead body of the neutralised terrorists and multiple war-like stores.

For displaying astute tactical acumen, indomitable courage and conspicuous gallantry, way beyond the call of duty, **Ram Goyal, SEA I (MC) (Now LS), 254831-N is awarded for award of “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

145310461 सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन (सीआरपीएफ)

05 नवंबर, 2024 को जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा जिले में ऊंचाई पर स्थित चुट्टावाडी, कैत्सुन के जंगलों में भारी हथियारों से युक्त दो विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय सूचना मिली थी। इस खुफिया सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, कमांडेंट तीसरी बटालियन, सीआरपीएफ ने 26 असम राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस, बांदीपोरा के साथ मिलकर एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाने की योजना बनाई। सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से पूरी तैयारी के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए 1650 बजे अपने लक्ष्य की ओर प्रस्थान किया।

तय योजना के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान, लगभग 1700 बजे, आतंकवादियों और 26 असम राइफल्स के जवानों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। आतंकवादियों के छिपने के संभावित ठिकाने का पता चलने पर, सीआरपीएफ, असम राइफल्स और एसओजी/जम्मू व कश्मीर पुलिस की संयुक्त टुकड़ियों ने संदिग्ध ढांचे के चारों ओर मजबूत रणनीतिक घेराबंदी शुरू कर दिया।

तीसरी बटालियन, सीआरपीएफ के सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन ने प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य क्षेत्र के उत्तर-पूर्व दिशा में रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाला और अत्याधुनिक असॉल्ट राइफलों से युक्त आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, असाधारण धैर्य के साथ अपनी जगह पर डटे रहे। जब यह पता चला कि आतंकवादी एक घर के अंदर छिपे हुए हैं और प्रवेश द्वार को तोड़ना ज़रूरी है, तो सिपाही/ जीडी सद्दाम हुसैन ने अपनी जान की परवाह किए बगैर, भीषण गोलीबारी के बीच लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया और बड़ी सटीकता के साथ यूबीजीएल राउंड फायर करके लक्ष्य को भेदने का कार्य किया।

सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन ने अदम्य साहस और असाधारण बहादुरी का परिचय देते हुए सिर्फ 25 मीटर की दूरी से यूबीजीएल से सटीक राउण्ड दागा, जो सीधे एक आतंकवादी को लगा जिसके कारण वह आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में, शेष बचे आतंकवादियों को खत्म करने के अभियान के दौरान, वह आतंकी मृत पाया गया।

सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन, तृतीय बटालियन, सीआरपीएफ के द्वारा प्रदर्शित असाधारण वीरता, अदम्य साहस, कर्तव्य परायणता और झूटी के प्रति समर्पण के असाधारण शौर्य प्रदर्शन को मान्यता देते हुए **सिपाही/जीडी सद्दाम हुसैन "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।**



“SHAURYA CHAKRA”

145310461 CONSTABLE/GD SADDAM HUSSAIN (CRPF)

On 05 November 2024, credible input was received regarding the presence of two heavily armed foreign terrorists in the forested upper region of Chuttawari, Kaitsun, in Bandipora district, Jammu & Kashmir. Acting swiftly on the intelligence, a joint cordon and search operation was planned by Commandant 03 CRPF in coordination with 26 Assam Rifles, and J&K Police Bandipora. Accordingly, joint troops mobilized with resources and deployed quickly on target at 1650 hours.

As per plan, at approximately 1700 hours, during the course of the search, an exchange of fire ensued between the terrorists and troops of 26 Assam Rifles. Upon detection of the terrorist hideout, a tight tactical cordon was established around the suspected structure by joint troops of CRPF, Assam Rifles, and SOG/JKP.

Constable/GD Saddam Hussain of 3 CRPF took up a tactical position in the north-east direction of the target area under hostile conditions. Despite being subjected to indiscriminate fire from the terrorists, armed with modern assault rifles, he held his ground with exceptional composure. When it was assessed that the terrorists were up inside a house and the entry points needed to be breached, Constable Saddam Hussain, with complete disregard for personal safety, started moving closer to the target amidst heavy firing and effectively engaged the target by firing UBGL rounds with precision.

Displaying nerves of steel and remarkable bravery, Constable Saddam Hussain launched a pinpoint UBGL round from a distance of just 25 meters, directly hitting one of the terrorists. The terrorist was grievously injured and later found dead during the mopping-up operation.

In recognition of his rare act of conspicuous gallantry, indomitable courage, and devotion to duty beyond the call, which directly resulted in the elimination of a foreign terrorist, **No. 145310461 Constable/GD Saddam Hussain of 3 CRPF is awarded “SHAURYA CHAKRA.”**



“शौर्य चक्र”

129078 सहायक कमांडेंट विपिन विल्सन (20 बटा0 सीआरपीएफ)

11 नवंबर 2024 को, मणिपुर के जिरीबाम जिले के बोरोबेक्रा क्षेत्र के पास संतरी ने कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद, एक शक्तिशाली विस्फोट सुना गया, जिसके बाद सशस्त्र विद्रोहियों की ओर से भारी स्वचालित गोलीबारी हुई। दो विद्रोही, प्लाटून पोस्ट डी/20 बटालियन के एलएमजी मोर्चे की ओर आगे बढ़े और इस पर कब्जा करने की कोशिश की और 3-4 विद्रोहियों ने संतरी चौकियों पर भारी गोलीबारी करते हुए प्लाटून पोस्ट, मुख्य गेट के पास मोर्टर पिट पर कब्जा कर लिया। एक अन्य विद्रोही समूह ने बलों की प्रतिक्रिया को भटकाने के लिए डी/20 बटा. कैंप और पीएस बोरोबेक्रा पर एक समन्वित हमला किया।

श्री विपिन विल्सन, सहायक कमांडेंट ने सुनिश्चित किया कि सभी सुरक्षाकर्मी रक्षात्मक स्थिति में तैनात हैं और उन्होंने अपनी क्यूएटी को बुलेटप्रूफ रक्षक वाहन में तैनात किया और संकटग्रस्त प्लाटून पोस्ट को मजबूत करने के लिए दौड़ पड़े। क्यूएटी, घरों और धान के खेतों में छिपे विद्रोहियों की तीव्र गोलाबारी की चपेट में आ गई। श्री विपिन विल्सन, सहायक कमांडेंट ने क्यूएटी को गोलाबारी के दौरान अनुकरणीय संयम बनाए रखने का आदेश दिया और सटीक जवाबी कार्रवाई का समन्वय किया और वाहन पर भारी गोलाबारी होने के बावजूद, उनकी टीम ने घात लगाकर किए गए हमले को नाकाम कर दिया है। उन्होंने लगातार और सटीक गोलीबारी से विद्रोहियों पर हमला किया और हमलावरों को रक्षात्मक स्थिति से पीछे हटने के लिए मजबूर किया। वह अकेले ही आगे बढ़े, विद्रोहियों के कब्जे वाले स्थान के करीब पहुंचे, और महत्वपूर्ण हथियार बरामद करते हुए कट्टर विद्रोही को मार गिराया। दुश्मन की लगातार गोलीबारी के बावजूद, उन्होंने पहले समूह का नेतृत्व किया एवं सामरिक हमले के परिणामस्वरूप, दस भारी हथियारों से लैस विद्रोहियों को मार गिराया गया और हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। उन्होंने उत्कृष्ट युद्धक्षेत्र निर्णय का प्रदर्शन करते हुए असाधारण साहस एवं बहादुरी के साथ अपनी टीम का नेतृत्व किया।

चुनौतीपूर्ण युद्ध परिस्थितियों में असाधारण साहस, कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण और प्रेरणादायक नेतृत्व प्रदर्शित करने के लिए, 20 सीआरपीएफ के **श्री विपिन विल्सन, सहायक कमांडेंट को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया गया है।**



“SHAURYA CHAKRA”

129078 ASSISTANT COMMANDANT VIPIN WILSON

(20 BN, CRPF)

On 11 Nov 2024, near at Borobekra area of Distt Jiribam, Manipur, sentry observed some suspicious moment. Later, a powerful blast was heard, followed by heavy automatic fire from armed insurgents. Two insurgents advanced towards the LMG Morcha of platoon post D/20 Bn in an attempt to overrun it and 3- 4 insurgents occupied the mortar pit near the platoon post Main Gate with heavy firing on sentry posts. Another insurgent group launched a coordinated attack on D/20 Bn Camp and PS Borobekra to divert the response of forces.

Shri Vipin Wilson, AC ensured that coy personnel are in defensive positions and mobilized his QAT in bulletproof Rakshak vehicle and rushed to reinforce the embattled Platoon Post. The QAT came under intense fire power by hidden insurgents in houses and paddy fields. He commanded QAT to maintain exemplary composure under firing and coordinated accurate retaliatory fire, and ensured that his team broke the ambush even though vehicle hits with multiple bullets. He engaged insurgents through steady and accurate fire and forced the attackers to retreat overrunning the defensive positions. He advanced alone, closed to insurgent-held position, and neutralized the hardcore insurgent, recovering critical weaponry. Under sustained enemy fire, he led the first group of pronged, tactical assault resulted in the elimination of ten heavily armed insurgents and recovery of a large cache of weapons. He demonstrated outstanding battlefield judgment and led from the front with exceptional bravery.

For displaying extraordinary courage, selfless devotion to duty, and inspirational leadership under the most challenging combat conditions, **Shri Vipin Wilson, AC of 20 CRPF, is awarded with “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

जी/5009749ए राईफलमैन भोज राम साहू

(3 असम राईफल्स)

15 नवंबर 2024 को भारत म्यांमार की सीमा रेखा के पास घुसपैठ की सूचना प्राप्त होने पर एक टुकड़ी को घुसपैठ विरोधी दस्ते को मजबूत करने के लिए तैयार किया गया। राईफलमैन भोज राम साहू एक स्काउट की भूमिका निभा रहे थे और उनका दस्ता एक सघन विस्फोटक फायर की चपेट में आ गया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की पहवाह न करते हुए वे तेजी से फायर करते हुए विद्रोही की तरफ आगे बढ़े और अपनी कारगर सटीक फायरिंग के द्वारा उनको उलझाए रखते हुए दो विद्रोहियों को घायल कर दिया।

विद्रोहियों ने अपने घायल साथियों को बाहर निकालने के लिए राईफलमैन भोज राम साहू के दस्ते पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस फायरिंग में राईफलमैन भोज राम साहू को एक गोली लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद भी राईफलमैन भोज राम साहू ने फायरिंग जारी रखी और एक अन्य विद्रोही को घायल कर दिया। उनकी साहसिक व निडर कार्यवाही ने विद्रोहियों को भारत म्यांमार सीमा से भागने के लिए मजबूर कर दिया। खूफिया तकनीक द्वारा तीन विद्रोहियों के मारे जाने की पुष्टि की। खोज अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार व अस्ला-बारूद बरामद किया गया तथा भागने के रास्ते में खून के निशान पाए गए।

अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए **राईफलमैन भोज राम साहू को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

G/5009749A RIFLEMAN BHOJ RAM SAHU

(3 ASSAM RIFLES)

On 15 November 2024, on receiving input regarding infiltration by a group of insurgents along Indo-Myanmar Border, many columns were launched to strengthen the counter infiltration grid. Rifleman Bhoj Ram Sahu was performing the duties of scout and his column came under sudden intense burst of fire. With utter disregard to his safety, he rapidly advanced towards firing insurgents and engaged them with effective and accurate firing during counter action drill thus injuring two of them.

The insurgents brought down heavy fire on him to extricate the injured, during the exchange of fire he sustained a gunshot wound, but he continued to fight undeterred. His courageous and dauntless action forced the insurgents to flee across Indo Myanmar Border. Technical intelligence confirmed killing of three insurgents. The search operation led to recovery of heavy volume of war like stores and a definitive trail of blood along the escape route.

For this extraordinary act in the line of duty **Rifleman Bhoj Ram Sahu is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

30725, विंग कमांडर (वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) अभिमन्यु सिंह उड़ान (पायलट)

21 नवंबर 24 को विंग कमांडर अभिमन्यु सिंह कैप्टन के तौर पर अपने मूल बेस से दूर किसी अन्य स्थान पर घनी काली रात तथा बहुत कम दृश्यता की स्थिति में एक प्रशिक्षणाधीन पायलट के ड्यूल चेक (Dual Check) का कार्य सौंपा गया। आफ्टरबर्नर्स का उपयोग करते हुए एक अपवर्ड टर्न का अभ्यास करते समय स्टीप नोज अप (steep nose up) स्थिति में पिछली कैनोपी 5.5 किलोमीटर ऊपर क्षतिग्रस्त हो गई जिससे केबिन में एक्सप्लोसिव डिक्म्पेशन (Explosive Decompression) हुआ। कैनोपी के कई टुकड़े इनके हेलमेट, चेहरे तथा दाईं कोहनी पर जोर से टकराए जिसके कारण हेलमेट मुड़ गया, वाइजर टूट गया तथा इनका सिर सीट हेडरेस्ट से जोर से टकराया। भीषण वायु विस्फोट के कारण शक्तिशाली सक्शन निर्मित हुआ तथा इनका बायां कंधा कैनोपी की रेलिंग से कई बार टकराया।

कॉकपिट के अंदर अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों, एरोमैडिकल कठिनाइयों एवं घायल होने के बावजूद पायलट ने वायुयान की तेजी से रिकवरी के लिए सतर्कता के साथ सटीक तथा निश्चित समयबद्ध कार्रवाई प्रारंभ की। तेज हवा के कारण उनका खून तेजी से बहने लगा तथा खून के छींटे आंखों पर आने के कारण इन्हें देखने में भी काफी कठिनाई होने लगी। इन्हें अपने चहरे तथा बाएँ कंधे में असहनीय दर्द महसूस हुआ तथा इनकी दाहिनी कोहनी सुन्न पड़ने लगी। अत्यधिक कष्ट के कारण इन्होंने फ्रंट पायलट से वायुयान को बेस की ओर ले चलने को कहा। विंड ब्लास्ट के कारण थ्रॉटल आगे की ओर फिसलता रहा लेकिन इन्होंने नियंत्रण बनाए रखा। जैसे ही वायुयान बेस के नज़दीक पहुंचा इनका दर्द असहनीय हो गया। विंग कमांडर अभिमन्यु के दाहिने हाथ में अकड़न सी आने लगी तथा इन्हे बेहोशी तथा कमजोरी महसूस होने लगी। फ्रंट-पायलट के कम अनुभवी होने, कम दृश्यता वाली स्थिति (फ्रंट पायलट की रेटिंग के भीतर न होना) व इसके साथ-साथ सिविल आबादी से समीपता जैसी स्थितियों को समझकर इन्होंने वायुयान को स्वयं नियंत्रित करते हुए अनुकरणीय साहस तथा समर्पण का प्रदर्शन किया एवं असाधारण उड़ान कौशल प्रदर्शित करते हुए निर्बाध लैंडिंग करने में कामयाब रहे।

वायुयान को सुरक्षित रूप से रिकवर कर इन्होंने न केवल बहुमूल्य राष्ट्रीय परिसंपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि सिविलियन जान-माल की रक्षा करते हुए एक संभावित दुर्घटना होने से भी बचा लिया। अपने कर्तव्य के प्रति इस असाधारण साहसिक कार्य के लिए **विंग कमांडर (वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) अभिमन्यु सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

**30725, WING COMMANDER (NOW GROUP CAPTAIN)
ABHIMANYU SINGH**

FLYING (PILOT)

On 21 November 24, Wing Commander Abhimanyu Singh he was tasked as captain for a dual check of an under trainee pilot by dark moonless night, from a location other than home base, in marginal visibility. While practicing an upward turn with afterburners engaged, the rear canopy shattered at 5.5 kilometer in steep nose up attitude causing explosive decompression of the cabin. Multiple pieces of canopy made hard impact on his helmet, face and right elbow due to which the helmet was bent, visor was shattered and his head hit the seat headrest. Sharp wind blast created strong suction effect and he hit his left shoulder multiple times against the canopy railing.

Despite a very hostile cockpit environment, aeromedical adversities and injuries, the pilot meticulously commenced a series of accurate and precisely timed actions for an expeditious recovery. He started bleeding profusely with blood splattering due to wind blast, thus impairing his vision. He felt searing pain on his face and left shoulder, and his right elbow started becoming numb. Due to extreme discomfort, he asked front pilot to steer the aircraft towards base. The throttles kept slipping forward due to wind blast but he retained control. As the aircraft came on approach, the pain became almost sweltering. His right hand felt rigid and he started feeling faint and weak. Being acutely aware of inexperience of the front pilot, marginal visibility conditions (not within the rating of front pilot), and proximity to civil population, he displayed exemplary courage and commitment by taking over control of the aircraft and executed a flawless landing demonstrating exceptional flying prowess.

By recovering the aircraft safely, he not only ensured safety of a precious national asset, but also prevented a potential crash, protecting civilian life and property. For his act of exceptional gallantry and courage, **Wing Commander (Now Group Captain) Abhimanyu Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-81649डब्ल्यू मेजर भार्गव कलिता

दि कुमाऊँ रेजिमेंट / 50 राष्ट्रीय राईफल्स

मेजर भार्गव कलिता ने अक्टूबर, 2022 से बटालियन द्वारा आयोजित तीन सफल ऑपरेशन में भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप तीन आतंकवादी मारे गए और चार ओवरग्राउन्ड वर्कर्स को जिंदा पकड़ा गया। 02 दिसम्बर 2024 को, ठोस सूचना मिलने पर मेजर कलिता ने सीमित समय में नेतृत्व करते हुए एक अचूक घात लगाया, जिसके फलस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

रणनीतिक कौशल व सर्वोच्च आश्चर्य सुनिश्चित करते हुए उन्होंने आतंकवादी को लगाए हुए घात में प्रवेश करने दिया। आतंकवादी के नजदीक आने पर मेजर कलिता ने उसे विधिवत चुनौती दी, जिसके फलस्वरूप आतंकवादी ने उनकी पार्टी पर अंधाधुंध गोलाबारी करते हुए भागने का प्रयास किया। मेजर कलिता ने सटीक फायरिंग से जवाब दिया और आतंकवादी के भागने के प्रयास को विफल कर दिया। सामने से नेतृत्व करते हुए अपने घात दल को पुनः सुनियोजित किया, जिससे आतंकवादी के भागने के प्रयास को रोका जा सका। इसके बाद, उन्होंने अपने दल को निर्देश दिए कि आतंकवादी पर गहन निगरानी रखें व प्रभावी फायर से दबाकर रखें। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना और भीषण खतरे के बावजूद, मेजर कलिता रेंगते हुए छिपे हुए आतंकवादी के नजदीक पहुंचे व अदम्य साहस का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात् निकटतम मुकाबले में उस आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान ए++ श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई जो कि निर्दोष नागरिकों की हत्या और सुरक्षा बलों पर अनेक हमलों में शामिल था।

उनके अद्वितीय वीरता, साहसी योजना, अनुकरणीय नेतृत्व और उच्च जोखिम वाले अभियान के कुशल निष्पादन के लिए, **मेजर भार्गव कलिता को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-81649W MAJOR BHARGAV KALITA

THE KUMAON REGIMENT/ 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

Since October 2022, Major Bhargav Kalita has participated in three operations which resulted in neutralisation of three dreaded terrorists and apprehension of four hardcore Over Ground Workers. On 02 December 2024, at extreme by short notice Major Kalita planned, led and executed a surgical ambush operation neutralising a hardcore terrorist.

While exhibiting unmatched fieldcraft and ensuring utmost surprise, he waited for the terrorist to enter killing ground. At close range, Major Kalita challenged the terrorist who retaliated with indiscriminate fire. While the terrorist desperately attempted to escape, he brought down precise fire. Leading from front he tactically maneuvered and resited the ambush to prevent his escape. Thereafter, directed the party to keep the terrorist suppressed under fire and surveillance. With utter disregard to personal safety and under grave danger, he crawled towards hiding terrorist thereby displaying nerves of steel. Further, he charged and neutralised the terrorist in extreme close combat. The neutralised terrorist was identified as a A++ category terrorist with proven involvement in killing seven innocent civilians and dreaded terror attacks on security forces.

For his dauntless courage, audacious planning, exemplary leadership and intrepid execution of critical mission, **Major Bhargav Kalita is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

एसएस-49484पी मेजर लेइशांगथेम दीपक सिंह

11 पैरा (विशेष बल)

दो निर्दोष नागरिकों का 08 से 10 एनएससीएन (के.वाई.ए) आतंकवादी गिरोह के द्वारा अपहरण करने की खुफिया सूचना मिलने पर मेजर लेइशांगथेम दीपक सिंह ने तुरंत **'ऑपरेशन पांगचाऊ-II'** का नेतृत्व किया।

यह एक अत्यधिक जटिल ऑपरेशन था जिसमें आतंकवादियों के बीच निर्दोष नागरिकों की मौजूदगी होने के कारण उनकी जान को खतरा था। आतंकवादियों को स्पष्ट रूप से पहचानने के बावजूद मेजर लेइशांगथेम दीपक सिंह ने साहसपूर्ण बहादुरी और अपनी मानसिक दक्षता का परिचय देते हुए, अपनी टीम के साथ लक्ष्य के करीब पहुंचने का फैसला लिया। उसी प्रक्रिया के दौरान आतंकवादियों ने घबराकर इन पर तथा अन्य साथियों पर भारी अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। फिर भी अपनी जान की परवाह न करते हुए निडर होकर गोलीबारी के बावजूद बहुत करीब जाकर एक आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया। इसके बाद तुरंत अपहरित निर्दोष नागरिक को पहचानकर अपनी आड़ से सुरक्षा कवच देते हुए सकुशल आतंकवादियों के चंगुल से छुड़ाया और दूसरे भाग रहे आतंकवादी पर गोलीबारी करके उसे घायल कर दिया।

इस साहसी सफल बचाव और तेजगति से किए गए ऑपरेशन के परिणामस्वरूप दो आतंकवादियों को मौके पर ही ढेर कर दिया गया और निर्दोष अपहरित नागरिक को सकुशल बचा लिया गया और युद्ध में उपयोगी सामग्री बरामद की। विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्य के लिए **मेजर लेइशांगथेम दीपक सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

SS-49484P MAJOR LEISHANGTHEM DEEPAK SINGH

11 PARA (SPECIAL FORCES)

After receiving a critical input of kidnaping of two innocent civilians by a group of 08-10 NSCN (K.Y.A.) cadres, Major L Deepak Singh immediately spearheaded **‘OPERATION PANGCHAU-II’**.

It was a highly complex operation, involving presence of innocent civilians amongst the terrorists, hence, raising the risk of collateral damage exponentially. Therefore, Maj Deepak bravely and boldly decided to close-in with the target, despite clearly spotting the terrorists early. During the same process, a couple of terrorist sentries got alarmed and opened heavy fire on to him and others. Still undaunted, in utter disregard to his personal safety, he went beyond the call of duty to further close-in, and successfully neutralized a terrorist from a very close range, under a volley of hostile fire onto himself. Thereafter with his quick response, he was able to identify a kidnapped innocent civilian, shielded him by his own self and inflicted grievous GSWs on another fleeing terrorist.

This daring and successful rescue and kinetic operation, resulted in neutralisation of two hard core cadres on the spot and resulted in rescue of innocent kidnapped civilian and war like stores. For this exceptional bravery **Major Leishangthem Deepak Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”**.



“शौर्य चक्र”

आईसी-83399वाई मेजर अंशुल बाल्टू

दि जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैन्ट्री, 32 असम राईफल्स

29 अप्रैल 2025 को दक्षिण असम के दीमा हसाओ में सशस्त्र कैडरों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिलने के बाद, 32 असम राईफल्स के मेजर अंशुल बाल्टू ने एक उत्कृष्ट तलाशी और खोजी अभियान चलाया।

29 अप्रैल 2025 की सुबह में क्षेत्र की तलीशी करते समय, सशस्त्र कैडरों ने उनकी टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसमें भारी गोलीबारी का आदान-प्रदान हुआ। हालांकि, कैडर घने जंगल की ओर भागकर संपर्क तोड़ने में सफल रहे। पूरे दिनभर के निरंतर और सोची-समझी तलाशी के दौरान, अधिकारी ने एक सशस्त्र कैडर को हथियार उठाते हुए देखा। वीरता का परिचय देते हुए, अधिकारी ने अपनी जान को गंभीर खतरे में डालते हुए उसे अकेले ही निष्क्रिय कर दिया। तीव्र मुठभेड़ और क्षेत्र की गहन तलाशी के बाद, तीन सशस्त्र कैडरों की लाशें, तीन एके-47 राईफल्स, दो पिस्तौल और युद्ध सामग्री के साथ बरामद की गई।

कर्तव्यपरायणता के दौरान, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना असाधारण वीरता प्रदर्शित करने और एक भयंकर मुठभेड़ में तीन कैडरों को मार गिराने के लिए, **मेजर अंशुल बाल्टू को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-83399Y MAJOR ANSHUL BALTOO

THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 32 ASSAM RIFLES

On 29 Apr 2025, following specific intelligence about the presence of armed cadres in Dima Hasao, South Assam. Major Anshul Baltoo of 32 Assam Rifles executed a flawless combing and search operation.

While searching the area in the early hours of 29 Apr 2025, armed cadres opened fire on his team leading to an exchange of heavy volume of fire in retaliation. However, the armed cadres broke contact and fled towards densely forested area. During the deliberate and continuous search throughout the day, officer confronted an armed cadre picking up a weapon, the valiant officer in spite of momentous peril to his life, single handedly neutralised him. After the fiercely fought gun battle and thorough search of the area, bodies of three armed cadres, along with three AK-47 Rifles, two 9mm Pistol and other war like store were recovered.

For displaying inconspicuous bravery with utter disregard to his personal safety in the line of duty and eliminating three armed cadres in a fierce encounter, **Major Anshul Baltoo is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-84586के मेजर शिवकांत यादव

5 पैरा (विशेष बल)

मेजर शिवकांत ने अपनी स्क्वाड का नेतृत्व करते हुए मिशन लीडर की योजना के अनुरूप समन्वय स्थापित किया और रात के समय में अपनी स्क्वाड को दुर्गम भू-भाग, खतरनाक ढलानों और घने जंगलों वाले क्षेत्र में युद्ध के दौरान अदम्य साहस और दृढ़ नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए उतारा। आतंकवादियों की संभावित गतिविधियों की दिशा का पता चलते ही, मेजर शिवकांत ने रातोंरात कठिन भू-भाग में पार्टियों का पुनः निर्धारण किया।

आतंकवादियों की स्पष्ट पहचान होने पर, भारी गोलीबारी और कठिन भू-भाग के बावजूद, अधिकारी ने स्थिति पर नियंत्रण स्थापित किया और बिना किसी डर के घनी झाड़ियों में आतंकवादी का पीछा किया।

तीव्र गोलीबारी के बीच नजदीकी मुठभेड़ में शामिल होते हुए, उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान 'ए' श्रेणी के आतंकवादी के रूप में हुई जो कि कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल था। उनकी कार्यवाही दो अन्य आतंकवादियों को फंसाने में निर्णायक सिद्ध हुई, जिन्हें बाद में मार गिराया गया।

सामरिक कमान और अग्रिम पंक्ति में भागीदारी में उनका नेतृत्व व्यावसायिकता और व्यक्तिगत वीरता से परिपूर्ण था। उनकी तीव्र सामरिक सूझबूझ, विशिष्ट वीरता, अद्वितीय धैर्य और अदम्य साहस के लिए, **मेजर शिवकांत यादव को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-84586K MAJOR SHIVKANT YADAV

5 PARA (SPECIAL FORCES)

Major Shivkant, leading his Squad, synchronized himself as per the plan of the mission leader and launched his squad in jungle area of district Shupiyan at night, in inhospitable terrain marked by treacherous slopes and dense undergrowth, displaying indomitable courage and resolute leadership in combat. On learning the probable direction of terrorist movement Maj Shivkant immediately carried out resighting of parties overnight in rugged terrain.

On positive identification of the terrorists, undeterred by the extensive fire and difficult terrain, the officer took control of the situation and fearlessly pursued the terrorist into the dense undergrowth.

Engaging in a close quarter battle under intense fire, he neutralized one Category ‘A’ terrorist who was involved in multiple terror attacks His actions were instrumental in preventing a breakout and also trapping the balance two terrorists who were subsequently neutralized.

His dual role in tactical command and frontline engagement was marked by professionalism and personal valour. For his sharp tactical acumen, conspicuous gallantry, nerves of steel and unparalleled courage under fire, **Major Shivkant Yadav is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

जेसी-0110806एच सूबेदार पी एच मोसेस

1 असम राईफल्स

14 मई 2025 को सूबेदार पी एच मोसेस ने एक विशेष मिशन के गश्ती दल के सेकेंड-इन-कमांड के रूप में सशस्त्र कैडरों के विरुद्ध एक उच्च जोखिम वाले ऑपरेशन के दौरान असाधारण वीरता और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जब वे गश्ती दल के साथ आगे बढ़ रहे थे, उन्हें सामने ऊँचाई से अकारण गोलीबारी का सामना करना पड़ा, जिससे उनके दल की सुरक्षा को खतरा हो गया। उल्लेखनीय नेतृत्व और धैर्य का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपने सेक्शन के साथ कैडरों को तेजी से ढूँढ़ा और सटीकता के साथ उनसे मुकाबला किया। तीव्र गोलीबारी के बीच रेंगते हुए उन्होंने अपने आप को छुपाव में रखकर अचूक निशानेबाजी से एक सशस्त्र कैडर को मार गिराया। साथ ही शेष खतरों को कम करने के लिए प्रभावी गोलीबारी का समन्वय किया।

भीषण गोलीबारी में सूबेदार मोसेस ने अपना धैर्य बनाए रखा और तुरंत बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया। उनकी सटीक फायरिंग ने सशस्त्र कैडरों के समन्वय को बाधित कर दिया जिससे उनके सेक्शन को सशस्त्र कैडरों पर हावी होने का मौका मिल गया। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना झाड़ियों के बीच रेंगते हुए उन्होंने एक और कैडर को मार गिराया। उनके वीरतापूर्ण कार्यों ने सुरक्षा सुनिश्चित की और दल को आगे बढ़ने में सक्षम बनाया।

सूबेदार मोसेस का अदम्य साहस, दृढ़ नेतृत्व और अटूट प्रतिबद्धता उनके सैन्य कुशलता के उच्चतम मानकों को दर्शाती है। उनकी इस कार्यवाही ने सशस्त्र कैडरों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी असाधारण बहादुरी और इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए, **सूबेदार पी एच मोसेस को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

JC-0110806H SUBEDAR P H MOSES

1 ASSAM RIFLES

On 14 May 2025, Subedar P H Moses, as Second-in-Command of a special mission patrol, displayed outstanding gallantry and tactical brilliance during a high-risk operation against armed cadres. While advancing in the leading section, he encountered unprovoked fire from a dominating height, threatening safety of own troops. Demonstrating remarkable leadership and composure, he along with his section swiftly located and engaged the cadres with precision. Crawling under intense fire, he secured an advantageous position and neutralised a hostile cadre with unerring marksmanship. Further, coordinated effective fire to pin down remaining threats.

In the intense firefight, Subedar Moses maintained composure and adapted quickly to the evolving situation. His precise and calculated fire disrupted the armed cadres’ coordination, allowing his section to dominate. Crawling through thick foliage, he neutralised another cadre, disregarding personal safety. His gallant actions ensured safety and enabled the patrol to advance further.

Subedar Moses’ raw courage, steadfast leadership and unwavering commitment reflect the highest standards of military professionalism. His actions were instrumental in neutralising multiple armed cadres.

For his extraordinary bravery and significant contribution, **Subedar P H Moses is awarded “SHAURYA CHAKRA”**.



“शौर्य चक्र”

एसएस-49451के मेजर विवेक

दि मैकेनाइज्ड इन्फेन्ट्री, 42 राष्ट्रीय राईफल्स

15 मई 2025 को, पुलवामा जिले के एक गाँव में कट्टर आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, एक घेरा और तलाशी अभियान शुरू किया गया। प्रातः 0325 बजे, मेजर विवेक के नेतृत्व वाला अभियान दल, आतंकवादियों की तीव्र गोलीबारी की चपेट में आ गया। इस अत्यंत तनावपूर्ण परिस्थिति में, अद्वितीय धैर्य और संयम का प्रदर्शन करते हुए, अधिकारी ने प्रभावी रूप से जवाबी कार्यवाही कर आतंकवादियों के भागने के प्रयास को विफल कर दिया।

स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, मेजर विवेक ने पहले सभी सैनिकों को सतर्क किया और स्वयं घेरे की दृढ़ता की शारीरिक पुष्टि कर स्थिति का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में लिया। उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादियों से मुठभेड़ से पूर्व स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनका सुरक्षित निकास सुनिश्चित किया। तीव्र निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए अधिकारी ने क्वाडकॉप्टर को हवा में तैनात किया, जैसे ही आतंकवादियों की सटीक स्थिति का पता चला, मेजर विवेक अपने साथी के साथ भीषण गोलीबारी के बीच एक रणनीतिक रूप से लाभकारी जगह पर पहुंचे। आतंकवादियों में से एक कंक्रीट की छत के नीचे छिपा हुआ था। अधिकारी ने अपने सैनिकों के लिए संभावित खतरे को महसूस करते हुए एक साहसिक नजदीकी मुठभेड़ में एक ए+ श्रेणी के आतंकवादी को मार गिराया, जो दो अन्य आतंकवादियों की भर्ती सहित अनेक आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

अत्यंत वीरता, नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक कुशलता, कर्तव्य के प्रति निःस्वार्थ समर्पण एवं गोलियों की बौछार में अडिग साहस का प्रदर्शन करने के लिए, **मेजर विवेक को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

SS-49451K MAJOR VIVEK

THE MECHANISED INFANTRY, 42 RASHTRIYA RIFLES

On 15 May 2025, based on specific intelligence regarding presence of hardcore terrorists in a village in district Pulwama, a Cordon and Search Operation was launched. At 0325 hours, the party led by Major Vivek came under intense fire from terrorists. Displaying exceptional composure, the officer retaliated effectively thereby preventing their escape.

Major Vivek First alerted all troops and with physically checked the cordon for sanctity and took control of the situation. Prioritizing civilian safety over his own, the officer ensured their evacuation before re-engaging the terrorists. Displaying sound presence of mind the officer got the quadcopter in air. Once the location of the terrorist was confirmed, Major Vivek alongwith his buddy moved under intense fire to a tactically advantageous position. One of the terrorists had holed himself underneath a concrete shelter. The officer realizing the potential threat to own troops, in a daring close quarter engagement neutralized Category A+, terrorist who was involved in recruitment of two other local terrorists and multiple other terrorist activities.

For displaying conspicuous bravery, leadership, sound tactical acumen, selfless devotion to duty and unflinching courage, **Major Vivek is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

जी/38589वाई राईफलमैन मांगलेम सांग वाईफाई

3 असम राईफल्स

09 जून 2025 को वे कॉलम के अग्रणी स्काऊट थे, उन्होंने देखा कि कई सशस्त्र उग्रवादी भारत-म्यांमार सीमा की ओर रणनीतिक टंग से बढ़ रहे हैं। उग्रवादियों द्वारा भारी गोलीबारी प्रारंभ करने पर, राईफलमैन मांगलेम सांग वाईफाई ने अत्यंत विकट स्थिति में भी साहसपूर्वक मोर्चा संभाले रखा। अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने प्रभावी जवाबी गोलीबारी की और पहले ही हमले में तीन उग्रवादियों को निशाना बनाया। उनकी जवाबी गोलीबारी से दो उग्रवादी मारे गए और तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे कॉलम पर मंडरा रहा तत्काल खतरा समाप्त हो गया।

राईफलमैन मांगलेम सांग वाईफाई ने टेन्गोपाल, मणिपुर में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान असाधारण सूझबूझ, रणनीतिक समझ और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया। शाम के समय भागने वाले उग्रवादियों ने घने जंगल से दोबारा गोलीबारी शुरू की। राईफलमैन मांगलेम सांग वाईफाई ने उच्चतम स्तर की युद्ध कुशलता का प्रदर्शन करते हुए भारी गोलीबारी कर एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसके परिणामस्वरूप इस ऑपरेशन में कुल तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया।

कर्तव्य से परे इस अदम्य साहसिक कार्य के लिए **राईफलमैन मांगलेम सांग वाईफाई को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

G/38589Y RIFLEMAN MANGLEM SANG VAIPHEI

3 ASSAM RIFLES

On 09 June 2025 as the lead scout of the area domination party column he observed multiple armed cadres approaching Indo Myanmar border tactically. As the cadres opened heavy fire prematurely Rifleman Manglem Sang Vaiphei fearlessly held his ground under intense firefight situation. Displaying complete disregard to his own safety he immediately retaliated with effective fire, engaging three armed cadres in the first volley. His swift counter-action resulted in the killing of two armed cadres and critical injuries to the third, thereby neutralising the immediate threat to the column.

Rifleman Manglem Sang Vaiphei exhibited exceptional presence of mind, tactical acumen and raw courage during a counter-infiltration operation in Tengnoupal Manipur. At last light the fleeing cadres resumed fire from thick vegetated jungle. Rifleman Manglem Sang Vaiphei demonstrated highest standards of battle craft and pinned down the cadres with heavy fire resulting in neutralisation of a total three armed cadres.

For this daring action beyond call of duty, **Rifleman Manglem Sang Vaiphei is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-71626एफ लेफ्टिनेंट कर्नल घाटगे आदित्य श्रीकुमार

21 पैरा (विशेष बल)

टास्क फोर्स कमांडर के रूप में लेफ्टिनेंट कर्नल घाटगे आदित्य श्रीकुमार ने भारत-म्यांमार सीमा पर एक किलेबंद विद्रोह शिविर पर सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और त्रुटिहीन ढंग से किए गए सटीक हमले के दौरान अनुकरणीय नेतृत्व, असाधारण सामरिक कौशल और अटूट साहस का परिचय दिया।

एक कुख्यात विद्रोही समूह के वरिष्ठ नेतृत्व को बेअसर करने के दायित्व के साथ, अधिकारी ने योजना से लेकर क्रियान्वयन तक अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने एक मजबूत खुफिया नेटवर्क स्थापित करने, सैनिकों के मिशन-विशिष्ट प्रशिक्षण का निर्देशन करने और अत्यंत प्रतिकूल इलाकों में व्यक्तिगत रूप से कई उच्च जोखिम वाले टोही अभियानों को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, उन्होंने कड़े धोखे के प्रोटोकॉल लागू किए और कई युद्ध और सहायता तत्वों के साथ निर्बाध समन्वय किया।

ऑपरेशन के दौरान, लेफ्टिनेंट कर्नल घाटगे ने एक उच्च जोखिम वाले गतिज हमले का नेतृत्व किया। उनकी सामरिक कुशलता के परिणामस्वरूप हमले में संगठन के शीर्ष नेतृत्व सहित नौ विद्रोही मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

उत्कृष्ट व्यावसायिक क्षमता, निडर नेतृत्व और प्रतिकूल परिस्थितियों में विशिष्ट वीरता के लिए, **लेफ्टिनेंट कर्नल घाटगे आदित्य श्रीकुमार को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

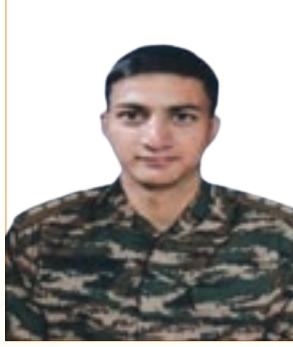
IC-71626F LIEUTENANT COLONEL GHATAGE ADITYA SHRIKUMAR 21 PARA (SPECIAL FORCES)

Lieutenant Colonel Ghatage Aditya Shrikumar, as the Team Commander, displayed exemplary leadership, exceptional tactical acumen and unwavering courage during a meticulously planned and flawlessly executed a precision strike on a fortified Anti-National Element camp along the Indo-Myanmar border.

Tasked with neutralizing senior leadership of a notorious Anti-National group, the officer led the operation from planning to execution. He was instrumental in establishing a robust intelligence network, directing mission specific training of troops and personally undertaking multiple high risk reconnaissance missions in extremely hostile terrain. To ensure operational security, he enforced stringent deception protocols and seamlessly coordinated with multiple combat and support elements.

During the operation, Lieutenant Colonel Ghatage personally led the high-risk kinetic strike. His tactical brilliance resulted in the complete destruction of Anti National camp resulting in elimination of nine armed cadres, including the outfit's top leadership and critically injured several others.

In recognition of his outstanding professional competence, fearless leadership and conspicuous gallantry under hostile conditions, **Lieutenant Colonel Ghatage Aditya Shrikumar is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

आईसी-85492वाई कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर

6 पैरा (विशेष बल)

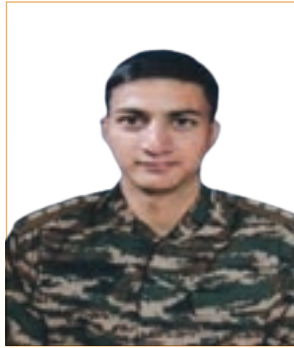
कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर को इलाका बसंतगढ़ में एक आतंकवादी समूह को नष्ट करने का कार्य सौंपा गया।

21 जुलाई 2025 को एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर उन्होंने अपनी टुकड़ी को उधमपुर के सामान्य इलाके में तैनात किया। 26 जुलाई 2025 को सुबह 0630 बजे उनकी निगरानी दस्ते ने लगभग एक किलोमीटर दूर संदिग्ध गतिविधि देखी, लेकिन कम दृश्यता के कारण हथियार की पुष्टि नहीं कर सके। उन्होंने स्थिति का मूल्यांकन किया और तुरंत ही घातक दल को पुनः तैनात कर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए।

सुबह 0900 बजे घात दल को लगभग 300 मीटर की दूरी पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों की हरकत दिखाई दी। संदिग्ध व्यक्तियों के भागने और संपार्श्विक क्षति से बचने के लिए, कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर ने अपने दल का नेतृत्व किया और घने कोहरे में भी अडिग संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहे। जैसे ही वे पास पहुँचे, आतंकवादियों ने उनके स्काऊट्स पर भीषण गोलीबारी शुरू कर दी।

इस स्थिति में, कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर ने आतंकवादियों को घेरने का निर्णय लिया। वे रेंगते हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े और 30 मीटर की दूरी से उनसे नजदीकी मुठभेड़ की। भीषण गोलाबारी उपरांत भी वे अपने स्थान पर अडिग रहे एवं एक आतंकवादी को मार गिराया।

उनकी अभूतपूर्व वीरता, यूद्ध कौशलता, दृढ़ संकल्प और कर्तव्य के प्रति समर्पण को देखते हुए, **कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

IC-85492Y CAPTAIN YOGENDER SINGH THAKUR

6 PARA (SPECIAL FORCES)

Captain Yogender Singh Thakur was tasked to neutralize a terrorist group in General Area Basantgarh.

On 21 July 2025, acting on a credible intelligence he deployed his troops in a remote location in district Udhampur General. On 26 July 2025 at 0630 hours, his surveillance squad observed suspicious movement about one kilometer away but could not confirm the weapon due to low visibility. He assessed the situation and quickly redeployed ambush party to continuously track the movement.

At 0900 hours, the ambush party noticed unidentified individuals 300 meters away. In order to prevent the suspected individuals from escaping and to avoid collateral damage, Captain Yogender Singh led his squad forward with unwavering determination, navigating through dense fog. As Captain Yogender Singh Thakur closed in, the terrorist opened indiscriminate fire on scouts.

At this critical movement, Captain Yogender Singh Thakur decided to outflank the terrorists. He crawled towards the terrorists and engaged them in close quarter combat from a distance of 30 meters. In the ensuing firefight, he held his position despite heavy volume of fire from the terrorist and neutralised a hardcore terrorist.

For his unprecedented valor, fighting spirit and dedication beyond the call of duty, **Captain Yogender Singh Thakur is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

जेसी-414986एम सुबेदार शमशेर सिंह

4 पैरा (विशेष बल)

श्रीनगर जिले के एक घने जंगली इलाके में तीन उच्च कोटि के आतंकवादियों को खोजने व मार गिराने के लिए एक आतंकविरोधी ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें सूबेदार शमशेर सिंह को दुसरे स्कवाड कमांडर के रूप में नामांकित किया गया था।

अंधेरी रात में बेहद पतली पहाड़ियों और चट्टानों को पार करते हुए, सूबेदार शमशेर सिंह ने सुबह होने से ठीक पहले अपनी टुकड़ी को प्रभावी स्थान में पहुंचाया। घोर सन्नाटे के बावजूद, उन्होंने अचूक नियंत्रण का परिचय देते हुए नामित क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया।

जैसे ही आतंकवादियों के साथ प्रारंभिक सम्पर्क स्थापित हुआ और प्रमुख दस्ते द्वारा दो आतंकवादियों को मार गिराया गया, सूबेदार शमशेर सिंह अपने क्षेत्र को साफ़ करते हुए अचानक भीषण गोलीबारी की चपेट में आ गये। असाधारण सूझबुझ और युद्ध क्षेत्र में संयम का परिचय देते हुए, उन्होंने तुरंत उस स्थान की पहचान की जहाँ एक आतंकवादी छुपा हुआ था जो प्रमुख दस्ते के लिए एक खतरा बना हुआ था। उन्होंने खुदको दुश्मन की सीधी गोलीबारी के बीच पुनः स्थापित किया और अपनी टीम को वास्तविक समय में सटीक निर्देश दिए जिससे खतरे को प्रभावी ढंग से समाप्त किया जा सका।

आगामी निकट मुठभेड़ में, दुश्मन की गोलीबारी का सामना करते हुए, सूबेदार शमशेर आगे बढ़े और एक सटीक और घातक हमला किया जिसमे तीसरा आतंकवादी ढेर हो गया।

गोलीबारी के बीच अद्वितीय साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण और समझदारी का प्रदर्शन करने के लिए **सूबेदार शमशेर सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

JC-414986M SUBEDAR SHAMSHER SINGH

4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

During a counter terror operation in forested area in Srinagar District, to track and neutralize three high profile terrorists, Subedar Shamsheer Singh was designated as Squad Commander of the Second squad.

Navigating razor thin ridgelines and sheer cliff faces under total darkness, Subedar Shamsheer Singh stealthily maneuvered his squad into a tactically dominant position just before dawn. Despite radio silence, he showcased flawless control, and commenced the search of the designated area.

As the initial contact was established and two terrorists were eliminated by the lead squad, Subedar Shamsheer Singh, while clearing his sector, suddenly came under intense fire. Displaying exceptional presence of mind and battlefield composure, he quickly identified the location of incoming fire of the terrorist, exploiting a blind spot which posed an imminent danger to the lead squad. He repositioned himself under direct enemy engagement, returned accurate fire and passed real time instructions to his squad to isolate the threat effectively.

In the ensuing close-quarter engagement, braving the terrorist's heavy volume of fire, Subedar Shamsheer crawled forward under cover and brought down a precise and lethal burst, neutralising the third terrorist.

For displaying exceptional courage under fire, astute combat leadership and devotion beyond the call of duty, **Subedar Shamsheer Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

2712274डब्ल्यू लांस नायक (वर्तमान में नायक) राहुल सिंह

4 पैरा (विशेष बल)

श्रीनगर जिले के एक घने जंगली इलाके में तीन उच्च कोटि के आतंकवादियों को खोजने व मार गिराने के लिए एक आतंकविरोधी ऑपरेशन चलाया गया, लांस नायक राहुल उस दस्ते का प्रमुख हिस्सा थे, जिन्हें घने जंगली इलाके को साफ करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

अटल साहस और बेमिसाल फील्डक्राफ्ट का प्रदर्शन करते हुए लांस नायक राहुल रात के अँधेरे में घनी झाड़ियों और खतरनाक इलाके से आगे बढ़े। लगभग 0930 बजे जब वे जंगल में प्राकृतिक बाधाओं को दूर कर रहे थे, तब उन्होंने एक हलचल देखी। उन्होंने सावधानीपूर्वक क्षेत्र का परीक्षण किया और एक ताजे पैरों के निशान की पहचान की। इसके बाद उन्हें और अधिक संकेत मिले, जिससे आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि हुई। उन्होंने इन संकेतों का पीछा करते हुए आतंकवादी ठिकानो को खोज निकाला एवं तुरंत अपने स्वचाड कमांडर को सूचित किया।

आगे बढ़ते समय प्रख्यात खतरे का एहसास होने पर उन्होंने तुरंत आतंकी ठिकाने के बारे में अपने दस्ते को सूचित किया और निकटतम आतंकवादी पर सटीक गोलाबारी की। उनकी तीव्र कार्यवाही ने एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया।

उनकी निर्णायक कार्यवाही और निडर प्रतिक्रिया ने न केवल अपने सैनिकों को हताहात होने से बचाया, बल्कि टीम को शुरु से ही मुठभेड़ में हावी होने में सक्षम बनाया। उसकी वीरता, सूझबुझ और युद्ध कौशल ने तीनों आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराने की नींव रखी। उनकी वीरतापूर्ण कार्यवाही, दृढ़ बहादुरी और असाधारण लड़ाकू क्षमता के लिए **लांस नायक (वर्तमान में नायक) राहुल सिंह “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

2712274W LANCE NAIK (NOW NAIK) RAHUL SINGH

4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

During a counter terror operation in forested area in Srinagar District, to track and neutralize three high profile terrorists, Lance Naik Rahul was deployed as the lead scout of his squad, tasked with clearing the dense forest belt.

Displaying nerves of steel and unparalleled field craft, Lance Naik Rahul advanced through thick undergrowth and treacherous terrain in pre-dawn darkness. At approximately 0930 hours, while clearing a natural depression, he noticed subtle movement in the Jungle. He meticulously scanned the area and identified a fresh foot track. He then discovered more signs which confirmed presence of terrorists. He soon discovered a concealed structure, confirming it as terrorist hideout and quickly relayed the loc of hideout.

Realising the imminent threat to the advancing squad, he quickly relayed the location of the hideout and engaged the nearest terrorist with precise fire. His swift action neutralised one terrorist on the spot.

His decisive action and fearless response not only ensured prevention of casualties to own troops but also enabled the team to dominate the engagement from the outset. His gallantry, presence of mind and combat prowess laid the foundation for the successful neutralisation of all three terrorists.

For his gallant action, resolute bravery and exceptional combat reflexes under fire, **Lance Naik (Now Naik) Rahul Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

जी/5019682ए राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता

33 असम राईफल्स

19 सितम्बर 2025 को राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता को मणिपुर की इम्फाल घाटी में बाढ़ राहत कार्यों के लिए नायब सूबेदार श्याम गुरुंग के नेतृत्व में एक सेक्शन के आवागमन के लिए सीओबी नाम्बोल में तैनात टाटा 407 वाहन चलाने का कार्य सौंपा गया। उक्त कार्य पूरा होने के बाद, सीओबी नाम्बोल लौटते समय वाहन पर बुष्णुपूर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर नाम्बोल सबल लैकेई इलाके में 1740 बजे इम्फाल घाटी आधारित अज्ञात विद्रोहियों द्वारा घात लगाकर हमला कर दिया गया। राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता वाहन चला रहे थे, जबकि नायब सूबेदार श्याम गुरुंग सह-चालक सीट पर थे। वाहन के पिछले हिस्से में नौ अन्य जवान सवार थे। शुरुआती हमले में नायब सूबेदार श्याम गुरुंग की गर्दन पर गोली लग गई और वे तुरंत घायल होकर वीरगति को प्राप्त हो गए। राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता को भी जांघ, छाती, कंधे और बांह पर कई गोलियां लगीं।

गंभीर रूप से घायल और वाहन के टायर पंचर होने के बावजूद, उन्होंने अपने साथियों पर गंभीर खतरे को भांप लिया। धैर्य और अनुकरणीय सूझबूझ का परिचय देते हुए, राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता ने तीव्र गोलीबारी के बीच, वाहन को अम्बुश के मृत्युक क्षेत्र से बाहर निकाल लिया। अपनी जान की परवाह न करते हुए उनकी बहादुरी और त्वरित कार्यवाही ने वाहन के पिछले हिस्से में सवार अपने आठ साथी सैनिकों की जान बचाई।

अपने उत्कृष्ट एवं वीरतापूर्ण कार्य के लिए **राईफलमैन धुर्बा ज्योति दत्ता को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

G/5019682A RIFLEMAN DHURBA JYOTI DUTTA

33 ASSAM RIFLES

On 19 September 2025, Rifleman Dhurba Jyoti Dutta was tasked to drive the TATA 407 vehicle deployed with COB Nambol for movement of a section led by Naib Subedar Shyam Gurung, for flood relief operations in Imphal Valley, Manipur. After completion of said task, while returning to COB Nambol, the vehicle was ambushed by unknown Imphal Valley Based Anti-National Elements at Nambol Sabal Leikai on National Highway 2 in Bishnupur district at 1740hrs. Rifleman Dhurba Jyoti Dutta was driving the vehicle, while Naib Subedar Shyam Gurung was in the co-driver's seat. Nine Other Ranks were in rear compartment of the vehicle. In the initial burst, Naib Subedar Shyam Gurung was hit on the neck by a bullet and immediately succumbed to the injury. Rifleman Dhurba Jyoti Dutta himself sustained multiple gunshot wounds on his thigh, chest, shoulder and forearm.

Despite being grievously injured and vehicle tyres being punctured, he sensed the grave danger to his comrades. Maintaining composure and displaying exemplary presence of mind, Rifleman Dhurba Jyoti Dutta drove the vehicle out of the Killing Zone of the Ambush, under intense hostile fire. His bravery and swift actions, with disregard to personal safety, saved the lives of eight fellow soldiers travelling in the rear compartment of the vehicle.

For his gallant actions and operational excellence, **Rifleman Dhurba Jyoti Dutta is awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र”

**08030जेड लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के
09134एच लेफ्टिनेंट कमांडर रुपा अ**

-

लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रुपा अ को नाविका सागर परिक्रमा-11 के लिए चयनित किया गया, जो आईएनएसवी तारिणी पर एक अग्रणी द्वि-सदस्यीय विश्व-परिक्रमा अभियान था। 02 अक्टूबर 2024 से 29 मई 2025 के बीच उन्होंने भारतीय, प्रशांत, अटलांटिक और दक्षिणी महासागरों से होते हुए 25,600 समुद्री मील से अधिक की यात्रा की, जिसमें उन्हें एकांत, अत्यधिक मौसम और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रशांत महासागर में पोत को पूर्ण विधुत विफलता का सामना करना पड़ा, जिससे सभी महत्वपूर्ण प्रणालियाँ बंद हो गईं और उच्च जोखिम वाले वातावरण में मैनुअल नेविगेशन अपनाना पड़ा। ड्रेक पैसेज से गुजरते समय भीषण तूफानी परिस्थितियों ने पोत को अत्यधिक झुकाव की स्थिति में ला दिया। नियंत्रण पुनः प्राप्त करना प्रकृति की प्रचंड शक्ति के बीच असाधारण कौशल और अदम्य साहस की माँग करता था। दोनों घटनाओं में उनकी तकनीकी दक्षता, धैर्य और दृढ़ता ने स्थिरता तथा सुरक्षा बहाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभियान के दौरान, उन्होंने पॉइंट नीमो, महासागरों का दुर्गमतम बिंदु तक नौकायन कर पहुँचने वाली पहली भारतीय बनीं। द्वि-सदस्यीय प्रारूप के कारण 24x7 तत्परता, नेविगेशन, रख-रखाव और आपातकालीन प्रतिक्रिया अनिवार्य थी। थकान, उपकरणों की विफलता और जीवन-झकझोर देने वाली समुद्री परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अदम्य साहस, उत्कृष्ट नौकायन-कौशल और नेतृत्व का परिचय दिया। कठिन परिस्थितियों में उनके निडर आचरण, उच्च व्यावसायिकता और अटूट संकल्प नौसेना सेवा के सर्वोच्च मानदंडों को प्रतिबिंबित करते हैं।

इस अभूतपूर्व अभियान में उनके असाधारण धैर्य, वीरता और कर्तव्यपरायणता के लिए **लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रुपा अ को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA”

08030Z LIEUTENANT COMMANDER DILNA K

09134H LIEUTENANT COMMANDER ROOPA A

-

Lieutenant Commander Dilna K and Lieutenant Commander Roopa A were selected for Navika Sagar Parikrama II, a pioneering dual-handed circumnavigation abroad INSV Tarini. Between 02 October 2024 and 29 May 2025, They sailed over 25,600 nautical miles through the Indian, Pacific, Atlantic and Southern Oceans, braving isolation, extreme weather and technical challenges. In the Pacific, the vessel suffered total power failure, disabling critical systems and demanding manual navigation under high-risk conditions. While navigating through the perilous Drake Passage in stormy conditions that caused the boat to heeled severely. Regaining control required exceptional skill and extraordinary courage in the face of nature’s raw fury. In both incidents, their technical skill, composure and resilience were critical in restoring stability and safety.

During the expedition, they became the first Indians to reach Point Nemo- the oceanic Pole of Inaccessibility by sailboat. The dual-handed format required 24X7 readiness, navigation, maintenance and emergency responses. Despite fatigue, equipment failures and life-threatening seas, she displayed unwavering courage, seamanship and leadership. Her fearless conduct, professionalism and resolve under dire conditions reflect the highest standards of Naval service.

For their exemplary endurance, bravery and devotion to duty in this unprecedented expedition, **Lieutenant Commander Dilna K and Lieutenant Commander Roopa A are awarded “SHAURYA CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

आईसी-69077एन कर्नल कोशांक लाम्बा

302 मीडियम रेजिमेंट

कर्नल कोशांक लाम्बा ने त्रुटिहीन नेतृत्व का प्रदर्शन किया और बहुत ही कम समय में ऑपरेशन के लिए विशिष्ट उपकरण बैटरी की पहली तैनाती को गुप्तता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिससे समय पर अंतर-कमांड इंडक्शन सुनिश्चित हुआ।

अधिकारी को उसके विशाल अनुभव के कारण कम समय में भेजा गया और वह ऑपरेशन के सबसे कठिन लक्ष्यों में से एक के अधिग्रहण और विश्लेषण में सहायक सिद्ध हुआ। उनके तकनीकी कौशल और उपकरणों की रणनीतिक जानकारी, समयबद्ध प्रयासों एवं मिशन की तीव्र तैयारी ने एक सामान्य प्रशिक्षण यूनिट को पांच दिनों के भीतर एक मिशन-तैयार यूनिट में बदल दिया।

जब यूनिट को उत्तरी कमान में एक, समन्वित सटीक फायर मिशन का संचालन करना था, तो अधिकारी ने निगरानी और फायरिंग के बावजूद अत्यधिक साहस का परिचय देते हुए आश्चर्यजनक हमला किया।

भारी बमबारी की जवाबी कार्यवाही के दौरान कमांडिंग ऑफिसर ने व्यक्तिगत सुरक्षा की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए एक गन से दूसरी गन तक जाकर अपने सैनिकों को प्रेरित किया और मिशन को सफलता दिलाई। उनके मजबूत नेतृत्व और साहस ने फायरिंग के बीच आतंकवादी शिविरों के विनाश में सफलता दिलाई, जिससे बड़ी संख्या में आतंकवादियों को समाप्त किया गया।

भारतीय सेना की परम्परा के अनुसार गोलाबारी के बीच असआधारण वीरता, पराक्रम और साहस का प्रदर्शन करने के लिए **कर्नल कोशांक लाम्बा को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

IC-69077N COLONEL KOSHANK LAMBA

302 MEDIUM REGIMENT

Colonel Koshank Lamba displayed flawless leadership and at a short notice executed first ever air mobilization of a specialised equipment battery, thereby ensuring timely inter command induction for ‘Operation’ with utter secrecy.

The officer because of his vast experience was moved at short notice and was instrumental in carrying out acquisition and analysis of one of the most difficult target. His technical prowess on equipment, tactical knowledge and time bound relentless mission oriented training transformed his subunit to mission capable within five days.

Once the unit was tasked to orchestrate coordinated precision engagement of most vital terrorist infrastructure in Northern Command, the officer demonstrated extreme courage and directed synchronized fire mission with absolute surprise despite under enemy observation and fire.

Once the enemy retaliated with heavy bombardment, with utter disregard to personal safety, the commanding officer kept moving from gun to gun thereby motivating his troops ensuring mission accomplishment. His resolute leadership and bravery in the face of enemy fire resulted in destruction of multiple terrorist Camps and neutralization of a large number of terrorists.

For displaying exceptional bravery, valour and courage under fire reflecting the traditional martial ethos of Indian Army. **Colonel Koshank Lamba is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

28181, ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान उनके अजेय लड़ाकू वायुयान से लैस स्क्वाड्रन को चिन्हित ठिकानों पर स्ट्राइक मिशन के लिए चुना गया।

बतौर कमांडिंग अफसर, ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु ने एक जटिल तथा अत्यंत जोखिम भरे युद्ध के माहौल में अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना ड्यूटी के प्रति दृढ़ नेतृत्व एवं अटूट समर्पण का प्रदर्शन किया। उन्होंने पश्चिमी सेक्टर के साथ-साथ तीन अलग-अलग स्थानों से न केवल अपने स्क्वाड्रन के एयर ऑपरेशनों की योजना एवं कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया बल्कि उन्हीं के समान स्ट्राइक मिशनों के लिए उड़ान भर रहे अपनी फोर्सेस की सहायता में सर्जिकल प्रीसीज़न एवं एयर डिफेंस मिशनों के साथ निर्धारित लक्ष्यों को तबाह करने के लिए अनेक डीप-पेनीट्रेशन स्ट्राइक मिशनों के लिए उड़ान भरते हुए सक्रिय रूप से नेतृत्व किया। अत्यंत विषम परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने विरोधी की गोलीबारी के सामने अदम्य साहस एवं असाधारण रणनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया जिससे मिशन की सर्वांगीण सफलता सुनिश्चित हुई। उभरते खतरों एवं ऑपरेशनल वैरिएबल्स के अनुरूप ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु ने विरोधी की गोलीबारी के सामने हवा में डायनामिक एवं रियल-टाइम निर्णय लिए। उनके स्क्वाड्रन के एडी कवर के अंतर्गत मिशन में लगे अपने सशस्त्र बलों का बचाव सुनिश्चित करते हुए गोलीबारी के समक्ष उनका साहसपूर्ण नेतृत्व एवं संयम निर्धारित स्ट्राइक परिणामों को हासिल करने में सहायक सिद्ध हुआ।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **ग्रुप कैप्टन रणजीत सिंह सिद्धु को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

28181, GROUP CAPTAIN RANJEET SINGH SIDHU

FLYING (PILOT)

During an operation, his squadron equipped with the formidable fighter aircraft, was chosen for strike missions over a predetermined target.

As the Commanding Officer, Group Captain Ranjeet Singh Sidhu displayed resolute leadership and unwavering dedication to duty in a complex and high-stakes combat environment with disregard to personal safety. He ensured the planning and execution of air operations of his squadron from three different locations along the Western sector. He led from the front by flying multiple deep-penetration strike missions to destroy the designated targets with surgical precision and flew Air Defence missions in aid of own forces flying similar strike missions. Despite overwhelming odds, he demonstrated unmatched courage and outstanding tactical acumen, thus ensuring mission success. Group Captain Ranjeet Singh Sidhu made dynamic, real-time decisions in the air, adapting swiftly to emerging threats and operational variables. His bold leadership and composure under fire were instrumental in achieving the intended strike outcomes while ensuring survivability of own forces that were undertaking missions under the AD cover of his squadron.

For his act of exceptional gallantry and courage, **Group Captain Ranjeet Singh Sidhu is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

28462, ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा, शौर्य चक्र

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, इन्होंने मिशन लीडर के रूप में एक अनएस्कोर्टेड स्ट्राइक पैकेज का नेतृत्व पूर्व निर्धारित लक्ष्यों जिनकी उन्नत हथियार प्रणालियों से कड़ी सुरक्षा की गई थी, को ध्वस्त करने के लिए किया। विरोधी के एयरोस्पेस में निर्बाध रेडार कवरेज था, जो दिन-रात दृश्य रेंज से परे वाली अत्याधुनिक लॉन्ग रेंज मिसाइलों से सुसज्जित वायुयानों द्वारा संरक्षित थे। इस प्रतिकूल एवं खतरे से भरे घेरे को भेदने का अवसर सीमित था और वेपन की डिलीवर का लॉन्च विंडो बहुत कम था। इनकी प्रोफाइल में देर रात में कम ऊंचाई पर आक्रामक युक्तिचालन करते हुए सामरिक फॉर्मेशन रूटिंग शामिल थी ताकि वेपन्स को सटीकता से डिलीवर कर लॉन्च पैरामीटरों को हासिल किया जा सके तथा विरोधी के सुरक्षा उपायों से बचा जा सके।

विरोधी के बड़ी संख्या में उपस्थित होने के बावजूद, पूर्व निर्धारित लक्ष्यों पर अपने हथियारों से हमला किया। हथियारों के प्रयोग के समय, वे विरोधी के घातक रेंज में थे और इन पर कई हवाई और जमीनी हमले हो रहे थे। इन्होंने न केवल लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट करना सुनिश्चित किया, बल्कि अपनी फॉर्मेशन को सुरक्षित रखा और अपने विंगमैन की सुरक्षा भी सुनिश्चित की। ऑपरेशन के दौरान, इनकी साहसी और आक्रामक मैनोवरींग ने विरोधी को रणनीतिक अव्यवस्था में डाल दिया। इनका हमला इतना तीव्र था कि विरोधी में जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता ही नहीं बची। स्वचाइन के कमांडिंग ऑफिसर के रूप में, ये संघर्ष के दौरान अपनी यूनिट के सभी कार्मिकों का मनोबल और मानसिक संतुलन को बनाए रखने में भी सफल रहे।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **ग्रुप कैप्टन मनीष अरोड़ा, शौर्य चक्र, को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

28462, GROUP CAPTAIN MANISH ARORA, SC FLYING (PILOT)

During an operation, he flew as mission leader of an unescorted strike package to neutralise predetermined targets that were heavily fortified by advanced weapon system of opposing forces. The airspace had seamless radar cover and was defended round the clock by aircraft equipped with long range state of art beyond visual range missiles. Opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and launch window to deliver the weapon was significantly short. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night followed by aggressive manoeuvring, so as to achieve launch parameters to deliver the weapon accurately and simultaneously evade hostile defences.

Despite overwhelming presence of the opposing forces in large numbers, he fired his weapon on the designated targets. During weapon delivery, he was flying under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. He not only ensured successful target destruction, but alerted his formation ensuring safety of his wingmen. During the operation, his audacious and aggressive manoeuvring plunged the opposing forces into tactical chaos. The attacks carried out by him and his unit against the adversary were so intense that they rendered them incapable of retaliating. As Commanding Officer of the squadron, he upheld the motivation and morale of all personnel in his unit during the operation.

For his act of exceptional gallantry and courage, **Group Captain Manish Arora, Shaurya Chakra, is awarded “VIR CHAKRA”**



“वीर चक्र”

28689, ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, अफसर सामरिक एस ए एम (SAM) स्कॉड्रन की कमान संभालते हुए एक फॉरवर्ड एयरबेस में तैनात थे।

इस ऑपरेशन के दौरान अफसर ने एक बहुत बड़े इलाके पर निगरानी रखी और दो फायरिंग यूनिटों का नेतृत्व किया। अपनी दृढ़ एकाग्रता, अथक प्रयास और जटिल समस्याओं के नए तरीके से समाधान निकालने की योग्यता के बलबूते इन्होंने विरोधी की तीव्र गोलाबारी का सामना किया और अपने उपस्करों की रक्षा करते हुए विरोधी को भारी नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन के दौरान, कमांडिंग अफसर के रूप में इनकी यूनिट ने अनेक हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाया। यूनिट ने विरोधी को धोखा देने के लिए तेजी से स्थान परिवर्तित किया और आक्रामक रुख अपनाए रखा। इनकी यूनिट द्वारा की गई विध्वंसक कार्रवाई ने विरोधी के स्ट्राइक मिशन को विफल कर दिया।

ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी की दूरदर्शिता, सुव्यवस्थित योजना, समन्वय कौशल, सतर्क निगरानी और कड़े सुरक्षा सेटअप में स्कॉड्रन ने उनकी ऑपरेशनल लोकेशन के पास एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) को गिरफ्तार किया। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

28689, GROUP CAPTAIN ANIMESH PATNI

FLYING (PILOT)

During an operation, the officer was stationed at a forward airbase, commanding a strategic Surface to Air Missile (SAM) squadron.

The officer during the operation supervised surveillance over a very large-area and controlled two firing units. His unwavering focus, unrelenting drive, and ability to devise innovative solutions to complex problems ensured substantial losses of opposing forces while safeguarding his equipment, even in the face of intense fire. During the Ops, as Commanding Officer, his unit engaged multiple aerial targets. The Unit dynamically relocated to deceive the adversaries and continued to maintain offensive posture. The destruction achieved by his unit thwarted strike missions of opposing forces.

Group Captain Animesh Patni’s foresight, meticulous planning, liaison skills, watchful eye and robust security setup, the squadron apprehended a suspected enemy Intelligence Operative near their operational location. The officer’s exemplary leadership, discipline, and management skills ensured incident-free and effective firepower throughout the operation. For his act of exceptional gallantry and courage, **Group Captain Animesh Patni is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

29889, ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, अल्प अवधि सूचना पर अफसर ने अपने वायुकर्मी दल तथा वायुयान को मिशन के लिए तैयार किया। निर्दिष्ट दिवस को, इन्होंने पूर्व निर्धारित ठिकानों को निष्क्रिय करने के लिए अनएस्कॉर्टेड स्ट्राइक पैकेज (unescorted strike package) के मिशन लीडर के रूप में उड़ान भरी। टारगेट की आधुनिक हवाई रक्षा हथियार प्रणाली से अत्यंत सुरक्षित था एवं चुनौतीपूर्ण घेराबंदी को भेदने का अवसर सीमित था तथा हथियार को लॉन्च करने की समय सीमा (लॉन्च विंडो) बहुत कम थी। इन्हें रास्ते की विषम मौसम परिस्थितियों से गुजर कर विरोधी के दो लक्ष्यों को नष्ट करने का कार्य सौंपा गया। इनके कार्यों में लॉन्च मानकों को प्राप्त कर हथियारों से सटीक हमला करना तथा रक्षा प्रणाली से बचने के लिए अंधेरी रात में आक्रामक मैनुवैरिंग करते हुए टैक्टिकल फॉर्मेशन रूटिंग करना शामिल था।

हवा में वायुयान में खराबी आने के बावजूद इन्होंने सर्वप्रथम अपने पहले हथियार से लक्ष्य पर हमला किया। इन्होंने पहले लक्ष्य को हासिल किया तथा ये अपने दूसरे लक्ष्य की ओर आगे बढ़े। जब ये हथियार को फायर करने के लिए तैयार कर रहे थे, सिस्टम ने खराब होने का संकेत दिया। अफसर निर्भीकता से विरोधी की घातक रेंज में उड़ान भरते रहे तथा कई हवाई तथा ग्राउंड हमलों से अपना बचाव किया। इन्होंने अपनी हथियार प्रणाली को रिसेट करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की तथा उसको पुनः ऑनलाइन ले आए। इन्होंने न केवल दूसरे लक्ष्य को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया बल्कि अपने साथी विंगमैन की सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया। इन्होंने तेजी से हवा में बचे एक लक्ष्य को नष्ट करने का जिम्मा दूसरे फॉर्मेशन को देकर सभी लक्ष्यों को पूरी तरह से ध्वस्त किया।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **ग्रुप कैप्टन कुणाल कालरा को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

29889, GROUP CAPTAIN KUNAL KALRA

FLYING (PILOT)

During tasking of an operation on short notice, officer ensured all his aircrew and aircraft were mission ready. On a designated day, he flew as mission leader of an unescorted strike package to neutralise predetermined targets that were heavily fortified by modern air defence weapon system. Opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and launch window to deliver the weapon was miniscule. He was tasked to destroy two targets while navigating through adverse weather en-route. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night followed by aggressive manoeuvring to achieve launch parameters so as to deliver the weapon accurately.

Despite encountering aircraft unserviceability in air, he fired his first weapon on the target keeping Mission Objectives over his personal safety. First objective was achieved and he proceeded towards his second target. While readying his weapon for firing, system displayed indication of malfunction. Officer undauntingly kept flying under lethal range of opposing forces, evaded multiple aerial and ground launches. He executed remedial actions to reset his weapon system and brought his weapon back online. He not only ensured successful second target destruction, but also ensured safety of his wingmen. He dynamically re-allotted one remaining target in air to another formation ensuring complete target annihilation.

For his act of exceptional gallantry and courage, **Group Captain Kunal Kalra is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

**30398, विंग कमांडर (वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) जॉय चन्द्रा
उड़ान (पायलट)**

ऑपरेशन के दौरान, अफसर को पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों पर सटीक हमला करने का कार्य सौंपा गया। इस ऑपरेशन में आधुनिक लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस एयर डिफेंस वायुयानों तथा सर्फेस टू एयर गाइडेड वेपन्स (एसएजीडब्ल्यू) को मिलाकर बने, विरोधियों के मजबूत नेटवर्क वाले एयर डिफेंस ग्रिड की उपस्थिति के कारण अत्यधिक जटिल योजना निर्माण, सटीक समन्वय, असाधारण एयरमैनशिप तथा वहां के मौजूदा हालात के संबंध में उच्च दर्जे की समझ अपेक्षित थी।

रेडारों द्वारा पता लगने से बचने के लिए फॉर्मेशन ने टैक्टिकल रूट पर कम उंचाई पर उड़ान भरी तथा मौका मिलते ही वेपन रिलीज करने के लिए उंचाई पर जा पहुंचे। जैसे ही मिशन आगे बढ़ा, स्ट्राइक पैकेज को त्वरित हवाई जवाबी कार्रवाई के रूप में एयर डिफेंस एयरक्राफ्ट तथा एसएजीडब्ल्यू द्वारा चुनौती का सामना करना पड़ा। हवा में तथा जमीन पर एक मजबूत नेटवर्क सहित खतरों से भरा प्रतिकूल परिवेश होने के बावजूद अफसर ने असाधारण साहस, अत्यधिक परिस्थितिजन्य समझ का प्रदर्शन किया तथा विरोधी के समक्ष इष्टतम निर्णय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए वेपन की सफलतापूर्वक डिलीवरी तथा लक्ष्य पर इसके टकराने तक सफलतापूर्वक गाइडेंस सुनिश्चित की।

पूरे मिशन के दौरान शस्त्र प्रणालियों की गंभीर मारक रेंज के भीतर होने के बावजूद ये पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों को ध्वस्त करने तक शांत एवं एकाग्रचित बने रहे। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **विंग कमांडर (वर्तमान में ग्रुप कैप्टन) जॉय चन्द्रा को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

30398, WING COMMANDER (NOW GROUP CAPTAIN) JOY CHANDRA FLYING (PILOT)

During an operation, the officer was tasked with executing a precision strike on predetermined targets. The operation required intricate planning, precise coordination, exceptional airmanship and highest level of situation awareness owing to presence of heavily networked Air Defence grid of adversaries, comprising of Air Defence ac and Surface to Air Guided Weapons (SAGWs) equipped with modern long range missiles.

The formation flew at low levels on the tactical route to avoid detection by radars and at opportune moment pulled up to higher levels for weapon release. As the mission progressed, the strike package was challenged by rapid air response both by way of Air Defence aircraft and SAGWs. Despite a networked hostile threat environment in air and ground, the officer displayed exceptional courage, enhanced situational awareness and optimal decision making in hostile environment and ensured successful delivery of weapon and its successful guidance till impact on target.

Throughout the mission, despite being within lethal range of weapon systems, he maintained calm and focus to ensure destruction of the designated targets. For his act of exceptional gallantry and courage, **Wing Commander (Now Group Captain) Joy Chandra is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

आईसी-72358पी लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट

1988 (स्वतंत्र) मीडियम बैटरी

लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट ने अधिकारी कमान के रूप में, एक ऑपरेशन के दौरान असाधारण साहस, नेतृत्व और संचालन कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी यूनिट का नेतृत्व करते हुए आतंकवादी कैंप का सम्पूर्ण विनाश कर सफलता प्राप्त की।

उन्होंने उपग्रह चित्रण का उपयोग करके आतंकवादी ठिकानों के सटीक निर्देशांक निर्धारण किये। कार्यान्वयन विधियों पर वरिष्ठ कमांडरों को सूचित किया तथा अपनी टुकड़ी को कठोर अभ्यास भी करवाया, जिससे गन क्षेत्र से सुरक्षित व शीघ्र निकास संभव हो।

उन्हें आतंकी ठिकानों पर आक्रमण हेतु आदेश मिलने पर घने अंधेरे में अपनी यूनिट को सुचारु रूप से तैनात किया। व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता किए बिना और अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए उन्होंने लक्षित ठिकानों का सम्पूर्ण विनाश किया। जवाबी बमबारी के खतरे के बावजूद उन्होंने सभी सैनिकों की समयबद्ध निकासी सुनिश्चित की।

पुनः उन्हें एक लक्ष्य को बर्बाद करने हेतु आदेश मिला। उन्होंने बिना विलंब किए अपनी यूनिट को तैयार किया व अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए सफलतापूर्वक कुशल नेतृत्व करते हुए लक्ष्य को बर्बाद किया।

असाधारण बहादुरी, अडिग नेतृत्व और अतुलनीय साहस के लिए **लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

IC-72358P LIEUTENANT COLONEL SUSHIL BISHT

1988 (INDEPENDENT) MEDIUM BATTERY

During an Operation Lieutenant Colonel Sushil Bisht as Officer Commanding, displayed exceptional courage, leadership and operational brilliance. He led his unit to resounding success by causing complete destruction of terrorist camps.

Displaying exceptional operational acumen, he undertook intense planning to determine precise target coordinates using latest satellite imagery and meticulously briefed commanders-in-chain on execution methodology. Officer also led his unit through rigorous rehearsals, focusing on achieving tactical surprise and swift extrication.

Upon receiving orders to strike terrorist camps, he swiftly deployed his unit under cover of darkness. Showing unparalleled courage and utter disregard for personnel safety, he led the assault by targeting precisely, causing complete target destruction. Despite enemy counter bombardment threat, he ensured safe and timely extrication of all troops under his command.

Again, he was tasked for destruction of a key target. Without delay, officer brought his unit to readiness and displaying undaunted courage under intense attack and constant enemy shelling, led his men to success.

For displaying conspicuous bravery, resolute leadership and unmatched courage in the face of enemy, **Lieutenant Colonel Sushil Bisht is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

**32748, स्क्वाड्रन लीडर
(वर्तमान में विंग कमांडर) सार्थक कुमार
उड़ान (पायलट)**

ऑपरेशन के दौरान, मिशन प्लानिंग सेल के हिस्से के तौर पर, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार ने अनेक डीप स्ट्राइक मिशन के सैद्धांतिक/वैचारिक, समन्वयन और कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दृढ़ संकल्प, अटल निश्चय एवं पूर्ण गोपनीयता के साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया। लक्ष्यों के विषय में उनकी योजनाबद्ध तैयारी और बारीक खुफिया जानकारीयों का समावेशन, ऑपरेशनल जोखिमों को कम करते हुए मिशन को सफल बनाने में सहायक रहा।

स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार ने दो महत्वपूर्ण, उच्च-जोखिम भरे लॉन्ग रेंज स्टैंड ऑफ स्ट्राइक मिशनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्दिष्ट दिवस को, अत्यधिक दबाव के हालात में, अप्रत्याशित आत्मसंयम और अविरल दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने एक डीप स्ट्राइक मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसके अलावा, अगले दिन, स्क्वाड्रन लीडर सार्थक कुमार को एक लॉन्ग रेंज स्ट्राइक मिशन दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप विरोधी की महत्वपूर्ण हवाई क्षेत्र अवसंरचना को नष्ट किया गया। विरोधी की लंबी दूरी की सतह-से-हवा में मार करने वाली हथियार प्रणालियों और मिसाइलों के खतरों के बावजूद, उन्होंने इस मिशन को पूरे दृढ़ निश्चय से पूरा किया।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **स्क्वाड्रन लीडर (वर्तमान में विंग कमांडर) सार्थक कुमार को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

**32748, SQUADRON LEADER
(NOW WING COMMANDER) SARTHAK KUMAR**

FLYING (PILOT)

During an operation, as a part of the mission planning cell, Squadron Leader Sarthak Kumar played a pivotal role in the conceptualisation, coordination and execution of multiple deep strike missions. He methodically worked with steadfast commitment, unshakeable focus and in absolute secrecy. His methodical preparation of target folders and incorporation of precise intelligence data was instrumental in enabling mission success while mitigating operational risks.

Squadron Leader Sarthak Kumar played a pivotal role in two critical, high-stakes long-range stand-off strike missions. On the designated day, demonstrating unwavering composure and unrelenting tenacity under intense pressure, he successfully executed a deep strike mission targeting the assigned target with surgical precision. On the next day, Squadron Leader Sarthak Kumar was again tasked to fly a long range strike mission that resulted in the destruction of another critical target. He executed this mission with unwavering commitment, despite countering the threats from multiple long range surface to air weapon systems and Beyond Visual Range missiles.

For his act of exceptional gallantry and courage, **Squadron Leader (Now Wing Commander) Sarthak Kumar is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

33900, स्वचाइन लीडर सिद्धान्त सिंह

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान, तीन वायुयानों के फॉर्मेशन को पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों पर स्टैंड-ऑफ सटीक हमला करने का कार्य सौंपा गया। इसके लिए एक विशेष संरचना पर सटीक निशाना साधना आवश्यक था, जिसके लिए हथियार प्रणाली सहित सीमित स्टैंड-ऑफ क्षमताओं तथा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हथियार के सटीक नियंत्रण की आवश्यकता थी। इस ऑपरेशन में सुनियोजित योजना, उपयुक्त संयोजन, असाधारण उड़ान कौशल और उच्च स्तर की हवाई कुशलता की आवश्यकता थी, क्योंकि विरोधी के पास व्यापक रूप से विकसित और एकीकृत रक्षा प्रणाली मौजूद थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की सर्फेस से एयर में मार करने वाली निर्देशित हथियार (SAGWs) और लंबी दूरी की Beyond Visual Range Missiles से लैस विरोधी के वायु रक्षा वायुयान शामिल थे।

प्रातःकाल में, प्रीसीजन स्ट्राइक पैकेज के एक भाग के रूप में, अफसर ने योजनानुसार पूरी तैयारी के साथ उड़ान भरी। फॉर्मेशन ने सामरिक मार्ग पर कम ऊंचाई पर उड़ान भरी ताकि विरोधी के रेडार द्वारा पता न लगाया जा सके तथा मौका मिलने पर उन्होंने और ऊंचाई पर उड़ान भरी ताकि हथियारों से आक्रमण किया जा सके। जैसे-जैसे मिशन आगे बढ़ा, स्ट्राइक पैकेज को द्रुतगामी हवाई प्रतिक्रियाओं एवं Air Defence Aircraft और SAGWs के द्वारा चुनौती मिलने लगी। हवा और जमीन दोनों पर खतरा होने के बावजूद भी, अफसर ने अदम्य साहस, असाधारण स्थिति संबंधी सजगता का परिचय दिया और पूरे मिशन के दौरान, हथियार प्रणालियों के घातक रेंज के भीतर होने के बावजूद, उन्होंने पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों को ध्वस्त किया एवं धैर्य बनाए रखा और लक्ष्य पर केंद्रित रहे।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **स्वचाइन लीडर सिद्धान्त सिंह को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

33900, SQUADRON LEADER SIDDHANT SINGH

FLYING (PILOT)

During an operation, three ac formation was tasked for Stand-Off precision strike on a pre-designated target. This required precise engagement of particular structure with the weapon system that had limited stand-off capability and required precise control of weapon till impact. The operation entailed accurate planning, precise coordination, exceptional flying skills and highest level of airmanship owing to presence of heavily networked and integrated Air Defence, which included long and medium range Surface to Air Guided Weapons (SAGWs) and Air Defence aircraft armed with long range Beyond Visual Range Missiles.

On the early morning hours, as part of the precision strike package, the formation flew at low levels on the tactical route in order to avoid detection by radars and at opportune moment pulled up to higher levels for weapon release. As the mission progressed, the strike package was challenged by rapid air response both by way of Air Defence aircraft and SAGWs. Despite a networked hostile threat environment in air and ground, the officer displayed exceptional courage, enhanced situational awareness and throughout the mission, despite being within lethal range of weapon systems, he maintained calm and focus to ensure destruction of the designated targets.

For his act of exceptional gallantry and courage, **Squadron Leader Siddhant Singh is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

34563, स्वचाइन लीडर रिज़वान मलिक

उड़ान (पायलट)

स्वचाइन लीडर रिज़वान मलिक, उड़ान (पायलट) ऑपरेशन के दौरान मध्य रात्रि में, एक अन-एस्कॉर्टेड स्ट्राइक पैकेज के डिप्टी मिशन लीडर के रूप में उड़ान भरी। लक्ष्यों को नवीनतम एवं अत्यधिक शक्तिशाली वायु रक्षा शस्त्र प्रणाली द्वारा मज़बूती से सुरक्षित किया गया था। विरोधी एयरस्पेस में निर्बाध रेडार कवर था तथा यह चौबीसों घण्टे दृश्य रेंज से परे वाली अत्याधुनिक लॉन्ग रेंज मिसाइलों से लैस वायुयानों द्वारा रक्षित था। इस प्रतिकूल एवं खतरे से भरे घेरे को भेदने का अवसर सीमित था और वेपन की डिलीवरी का लॉन्च विंडों अत्यंत कम था। इनकी प्रोफाइल में देर रात में कम उंचाई पर आक्रामक युक्तिचालन करते हुए सामरिक फॉर्मेशन रूटिंग शामिल थी ताकि हथियारों को सटीकता से डिलीवर कर लॉन्च पैरामीटरों को हासिल किया जा सके।

विरोधी की भारी संख्या में उपस्थिति के बावजूद, इन्होंने आतंकवादी प्रशिक्षण केन्द्र पर अपना पहला हथियार फायर किया। वेपन की डिलीवरी के दौरान ये विरोधियों की घातक रेंज में थे और इन पर कई हवाई और ज़मीनी हमले हुए। ऐसी गंभीर स्थिति में भी इन्होंने निर्णय लेने की त्वरित क्षमता प्रदर्शित करते हुए सुनियोजित ऑर्डनेन्स डिलीवरी के बाद सफलतापूर्वक लक्ष्य को ध्वस्त किया। अफसर ने उच्च जोखिम वाले इंगेजमेंट क्षेत्र में उड़ान भरते हुए दूसरे लक्ष्य पर एक और हमला किया तथा एक अन्य लक्ष्य को सफलतापूर्वक नष्ट किया। फ्लाइट के हमले करने के चरण में इन्हें विरोधी के आक्रामक इलेक्ट्रॉनिक काउंटर-मेजर्स द्वारा चुनौती दी गई, जिनसे ये सफलतापूर्वक बच निकले। ऑपरेशन के दौरान अफसर ने उग्र होते विरोधीपूर्ण उड़ान परिवेश के बीच कई मिशनों का नेतृत्व किया तथा लक्ष्यों पर शस्त्रों से हमले करके उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

इन्होंने विरोधियों को सामरिक अव्यवस्था की स्थिति में डालने के लिए अदम्य वीरता, रणनीतिक तौर पर अपनाये गए साहस तथा आक्रामक युक्तिचालन (मैन्युवरिंग) का प्रदर्शन किया। इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **स्वचाइन लीडर रिज़वान मलिक को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

34563, SQUADRON LEADER RIZWAN MALIK

FLYING (PILOT)

Squadron Leader Rizwan Malik, Flying (Pilot) during a mission at midnight, he flew as deputy mission leader of an unescorted strike package to neutralise pre-designated targets that were heavily fortified by latest and highly potent air defence weapon systems. Adversary's airspace had seamless radar cover and was defended round the clock by aircraft equipped with long range state of the art beyond visual range missiles. The opportunity to penetrate this hostile threat envelope was extremely restricted and launch window available to deliver the weapon was miniscule. His profile entailed tactical formation routing at low level by dark night, aggressive manoeuvring to achieve launch parameters to deliver the weapon accurately.

Despite overwhelming presence of the adversary, he fired his first weapon on the target. During weapon delivery, he was under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. Even in such grave situation, he ensured successful target destruction, displaying dynamic decision making. The officer carried out an additional attack on second target while flying in high risk engagement zone and successfully annihilated another target. In attack phase of flight, he was challenged by aggressive electronic countermeasures which were evaded successfully. During the operation, officer led multiple missions amidst escalated hostile flying environment and fired weapons on target rendering them inoperable.

He displayed resolute valour, tactically adapted audacious and aggressive manoeuvring to plunge the adversaries into tactical chaos. For his act of exceptional gallantry and courage, **Squadron Leader Rizwan Malik is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

**36433, फ्लाईट लेफ्टिनेंट (वर्तमान में स्वचाइन लीडर)
आर्षवीर सिंह ठाकुर**

उड़ान (पायलट)

ऑपरेशन के दौरान मध्य रात्रि में, एक अनएस्कार्टेड स्ट्राइक पैकेज के पार्ट के रूप में उड़ान भरी जिसमें उन्होंने पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए सटीक वेपन स्ट्राइक के साथ मिलिट्री ऑपरेशन की अगुआई की। लक्ष्य विरोधी की प्रभावी वायु रक्षा प्रणाली द्वारा संरक्षित थे। इस दुर्जेय भयावह दायरे को भेदने का अवसर सीमित था और इस पर आक्रमण करने का लॉन्च विंडो सीमित था। उन्होंने उसी रात्रि को अति महत्वपूर्ण लक्ष्य पर दो अनएस्कार्टेड एयरक्राफ्ट स्ट्राइक मिशन की अगुआई भी की।

उन्होंने विरोधी के भारी संख्या में होने के बावजूद, साहस के साथ अपने हथियारों को लक्ष्य पर फायर किया। असाधारण स्थिति संबंधी सटीक जागरूकता और साहस का प्रदर्शन करते हुए, वे अपनी फॉर्मेशन की अगुवाई, रात्रि में बेहद नीचे उड़ते हुए कर रहे थे। हथियार से आक्रमण करते समय उनकी फॉर्मेशन विरोधी की घातक रेंज में थी और उस पर वायु और जमीन से कई आक्रमण किए गए। उनकी फॉर्मेशन ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। इनके आक्रमण ने विरोधी पर विध्वंसकारी प्रभाव डाला जिससे विरोधी उनका सामना करने में अक्षम हो गया। उन्होंने अपना धैर्य और मिशन फोकस बनाए रखा, जिससे कि स्ट्राइक टीम बिना किसी नुकसान के अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाई। पूरे ऑपरेशन के दौरान, ये क्षेत्र और लक्ष्य विश्लेषण और मिशन प्लानिंग में सक्रिय रूप से सम्मिलित थे।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **फ्लाईट लेफ्टिनेंट (वर्तमान में स्वचाइन लीडर) आर्षवीर सिंह ठाकुर को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

**36433, FLIGHT LIEUTENANT (NOW SQUADRON LEADER)
AARSHVEER SINGH THAKUR**

FLYING (PILOT)

During an operation at midnight, he flew as part of an unescorted strike package to neutralise the predesignated target by executing precision weapon strike, which spearheaded military operations. The targets were heavily defended by potent Air Defence Weapon systems. The opportunity to penetrate this hostile threat envelope was limited and the launch window to deliver the weapon was miniscule. He also led a two aircraft unescorted strike mission on a crucial target on the same night.

Despite overwhelming presence of adversary, he courageously fired his weapon on the target amidst eminent threat. He led his formation by routing at low levels at night while avoiding adverse weather, displaying exceptional situational awareness and courage. During weapon delivery, his formation was under adversary's lethal ranges and had multiple aerial and ground launches on him. His formation achieved successful target destruction. During the operation, his audacious and aggressive manoeuvring plunged the adversaries into tactical chaos. His attack on adversary had devastating effect by rendering him incapable of retaliating. He maintained composure and mission focus, enabling the strike team to achieve its objective with no attrition.

Throughout the operations, he was actively involved in terrain and target analysis and mission planning. His commitment played vital role in overall mission success. For his act of exceptional gallantry and courage, **Flight Lieutenant (Now Squadron Leader) Aarshveer Singh Thakur is awarded “VIR CHAKRA”.**



“वीर चक्र”

जेसी-524528वाई नायब सूबेदार सतीश कुमार

4 डोगरा

एक ऑपरेशन के दौरान नायब सूबेदार सतीश कुमार ने मोर्टार पोजीशन कंट्रोलर के रूप में नियंत्रण रेखा पर एक ऑपरेशन के दौरान अनुकरणीय नेतृत्व, सामरिक कौशल और अटूट साहस का परिचय दिया।

हमारी चौकियाँ भीषण तोप और मोर्टार गोलाबारी की चपेट में आईं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए नायब सूबेदार सतीश कुमार ने मोर्टार प्लाटून का नियंत्रण अपने हाथ में लिया। असाधारण सामरिक दक्षता और युद्ध क्षेत्र की जानकारी का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने सजगता से सटीक जवाबी फायर का निर्देशन किया। उनकी कमान के तहत, मोर्टार टुकड़ियों ने कई स्थानों पर फायर किया व लक्ष्य को बर्बाद किया, दो निगरानी कैमरों को नष्ट कर दिया और दुश्मन को भारी नुकसान पहुँचाया। इसके अलावा, उनके द्वारा किये गये काउंटर बोम्बर्डमेंट और काउंटर मोर्टार ऑपरेशन ने दुश्मन के मोर्टार ठिकानों को प्रभावी रूप से दबा दिया, जिससे दुश्मन पर सामरिक बढ़त सुनिश्चित हुई और अपने मोर्टार प्लाटून को किसी भी प्रकार की हानि या हताहत से पूरी तरह सुरक्षित रखा।

पूरी मुठभेड़ के दौरान नायब सूबेदार सतीश कुमार ने धैर्य के साथ काम लिया। शांत नेतृत्व और निर्णायक कार्यवाही के माध्यम से अपनी टुकड़ी को प्रेरित किया। उनका आचरण भारतीय सेना की बेहतरीन परम्पराओं को कायम रखता है और दूसरों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। अडिग संकल्प, व्यक्तिगत साहस, व्यावसायिकता और असाधारण वीरता का प्रदर्शन करने के लिए **नायब सूबेदार सतीश कुमार को “वीर चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA”

JC-524528Y NAIB SUBEDAR SATISH KUMAR

4TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT

Naib Subedar Satish Kumar, Mortar Position Controller, exhibited exemplary leadership, tactical acumen, and unwavering courage in an operation along the Line of Control.

While own posts came under intense enemy Artillery and mortar fire. Understanding the gravity of situation, Naib Subedar Satish Kumar took immediate and resolute control of the mortar platoon. Displaying exceptional tactical proficiency and battlefield awareness, he swiftly directed accurate retaliatory fire. Under his command, mortar detachments set fire on various positions, destroyed the target, two surveillance cameras and caused substantial material loss to the adversary. In addition, his Counter Bombardment and Counter Mortar operations, suppressed the retaliatory fire and rescue tactical dominance without any casualty or damage to own mortar platoon.

Throughout the engagements, Naib Subedar Satish Kumar operated with composure, motivating his platoon through calm leadership and decisive action. His conduct upholds the finest traditions of Indian Army and sets a commendable example for others to follow. For his gallant action under enemy fire, outstanding professionalism and devotion to duty, **Naib Subedar Satish Kumar is awarded “VIR CHAKRA”.**



“कीर्ति चक्र”

21009588वाई लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए दि तोपखाना रेजिमेंट /34 राष्ट्रीय राईफल्स

लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए कुलगाम में एक ऑपरेशन के दौरान आंतरिक घेराबंदी का हिस्सा थे जिसके परिणामस्वरूप पांच कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए अपने साथी के साथ आंतरिक घेरे में स्टॉप के रूप में तैनात थे। लगभग 0545 बजे, जैसे ही आतंकवादियों ने घेरा तोड़ने की हताश कोशिश की वे स्टॉप की ओर से बढ़ते हुए अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। साथी जोड़ी ने सटीक फायर से आतंकवादियों को रोका और नीचे गिरा दिया हालांकि भीषण गोलीबारी में लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए के चेहरे और दाहिने कंधे पर गोली लगी। उन्होंने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद विशुद्ध साहस मन की दृढ़ता और असाधारण निशानेबाजी का परिचय देते हुए एक आतंकवादी को रोका और उसे भीषण नजदीकी गोलीबारी में मार गिराया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान श्रेणी सी के रूप में हुई, जो 2019 में जम्मू बस स्टैंड पर नागरिकों पर सनसनीखेज ग्रेनेड हमले तथा सुरक्षा बलों पर कई आतंकी हमलों में शामिल था।

अपने अदम्य भावना साहस और असाधारण वीरता के लिए और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराने के लिए **लांस नायक मीनात्वी सुन्दरम ए को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA”

21009588Y LANCE NAIK MEENATCHI SUNDARAM A

THE REGIMENT OF ARTILLERY/ 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

Lance Naik Meenatchi Sundaram A was part of the inner cordon during a Counter Terrorist Operation in Kulgam which resulted in neutralisation of five hardcore terrorists.

Lance Naik Meenatchi Sundaram A alongwith his buddy, was deployed as stops in the inner cordon. At around 0545 hours, as the terrorists in a desperate attempt to break the cordon, charged towards the stops, firing indiscriminately, the buddy pair intercepted and pinned down the terrorists with accurate fire. However, in the intense firefight, Lance Naik Meenatchi Sundaram suffered a Gun Shot on his face and right shoulder. Displaying sheer raw courage, presence of mind and exceptional marksmanship, despite being severely injured, he intercepted and neutralised a terrorist in an intense close quarter firefight. The neutralised terrorist was later identified as, a Category ‘C’, terrorist, involved in several terror attacks on Security Forces, including the sensational grenade attack on civilians at Jammu Bus Stand in 2019.

For his indomitable spirit, raw courage and exceptional bravery, wherein despite being severely injured, he neutralised one hardcore terrorist, **Lance Naik Meenatchi Sundaram A is awarded “KIRTI CHAKRA”.**



“कीर्ति चक्र”

जेसी-415036के नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा

2 पैरा (विशेष बल)

नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा एक अत्यधिक कुशल और युद्ध में अनुभवी सैनिक हैं, जो कि किशतवाड़ जिले के दुर्गम और सुनसान इलाके में अपनी टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे थे।

किशतवाड़ जिले के जंगली क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा ने दो आतंकवादियों को नाले को पार करते हुए देखा। जूनियर कमीशन अधिकारी ने तुरंत अपनी टुकड़ी की स्थिति बदलकर आतंकवादियों को घेरने और उनके भागने के रास्ते को बंद करने का निर्णय लिया। जैसे ही आतंकवादियों ने खुद को घिरा पाया, उन्होंने भागने और घायल करने के प्रयास में अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा ने तुरंत प्रभावी गोलीबारी से जवाबी कार्यवाही की जिससे एक आतंकवादी घायल हो गया, जिसके बाद अन्य दोनों आतंकवादी एक चट्टान के पीछे छिप गए। अपनी गोलीबारी की अप्रभाविता को महसूस करते हुए, नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा ने सुरक्षा की परवाह किए बिना भारी शत्रुतापूर्ण गोलीबारी के बीच चुपके से लाभप्रद स्थिति में पहुंचे। जैसे ही उन्होंने फिर से गोलीबारी शुरू की, छिपे हुए आतंकवादियों में से एक का सामना नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा से हुआ, नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा ने बहादुरी का परिचय देते हुए एक आतंकवादी को बहुत कम दूरी से मार गिराया तथा उसके उपरांत उन्होंने खुद को उजागर करते हुए दूसरे आतंकवादी पर निशाना साधते हुए गोलियां चलाना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया गया।

अद्वितीय वीरता और असाधारण साहस के लिए, **नायब सुबेदार डोलेश्वर सुब्बा को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA”

JC-415036K NAIB SUBEDAR DOLESHWAR SUBBA

2 PARA (SPECIAL FORCES)

Naib Subedar Doleshwar Subba is a highly skilled and battle hardened soldier who was leading his squad in inhospitable and isolated terrain of Kishtwar district.

During a search operation in a forest area in district Kishtwar, Naib Subedar Doleshwar Subba detected two terrorists crossing a nallah. The Junior Commissioned Officer readjusted his squad to box the terrorists and deny them escape routes. Realising themselves surrounded, terrorists started firing indiscriminately to inflict casualties and escape. Naib Subedar Doleshwar Subba immediately retaliated with effective fire thereby injuring one of the terrorist post which both terrorists took cover behind a boulder. Realising the ineffectiveness of own fire, Naib Subedar Doleshwar with utter disregard to personal safety stealthily maneuvered to advantageous position under heavy hostile fire. As he opened fire again, one of the hiding terrorist came face to face with him. Undeterred, Naib Subedar Doleshwar Subba displayed nerves of steel and eliminated a hard core foreign terrorist at point blank range. Subsequently, Naib Subedar Doleshwar Subba continued to engage the second terrorist with aimed shots while exposing himself which subsequently led to his neutralization.

For displaying commendable bravery and unparalleled courage under fire, **Naib Subedar Doleshwar Subba is awarded “KIRTI CHAKRA”.**



“कीर्ति चक्र”

आईसी-81753K मेजर अर्शदीप सिंह

दि कवचित कोर, 1 असम राईफल्स

सीमा के नजदीकी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए मेजर अर्शदीप सिंह को एक विशेष गश्ती दल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदारी दी गई। यह गश्ती दल अचानक और बिना उकसावे के एक ऊँचाई से की गई गोलीबारी की चपेट में आ गया। अधिकारी ने त्वरित नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए झाड़ियों के बीच से अपनी टीम को दुश्मनों पर हावी होने के लिए एक सुविधाजनक स्थान पर पहुँचाया।

सशस्त्र कैडरों से भिड़ते समय, उन्होंने जैसे ही कैडर को रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड लांचर के साथ आसन्न खतरे को देखा तो वे झाड़ियों के बीच से रेंगते हुए चुपके से आगे बढ़े और सशस्त्र कैडर को मार गिराया। तदोपरांत, दो और सशस्त्र कैडरों की गोलीबारी के बीच, वह तेजी से किनारे की ओर बढ़े और सटीक गोलीबारी से दोनों सशस्त्र कैडरों को मार गिराया। स्थिति पर अपना दबदबा बनाए रखते हुए, उन्होंने छिपे हुए अन्य सशस्त्र कैडरों की पहचान की तथा गोलीबारी के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना उसके तरफ बढ़ते हुए दो और सशस्त्र कैडरों को मार गिराया।

उनके निडर नेतृत्व, असाधारण वीरता और निरंतर दृढ़ संकल्प से इस ऑपरेशन में कई सशस्त्र कैडरों को मार गिराया गया तथा साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि अपने किसी सैनिक को किसी भी तरह का नुकसान न हो। यह अधिकारी की असाधारण बहादुरी, धैर्य और कर्तव्य के प्रति समर्पण व सर्वोच्च सैन्य परंपरा का उदाहरण है।

अद्वितीय वीरता और असाधारण नेतृत्व के लिए, **मेजर अर्शदीप सिंह को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA”

IC-81753K MAJOR ARSHDEEP SINGH

THE ARMoured CORPS, 1 ASSAM RIFLES

Major Arshdeep Singh led a special patrol mission to sanitize the area along IMB. This patrol came under sudden and unprovoked fire from a dominating height. Demonstrating valiant leadership, he ascended the height through thick undergrowth and guided his team to a vantage position to dominate hostile elements.

While engaging the armed cadres, he spotted a cadre with a rocket-propelled grenade launcher posing imminent danger. Crawling through dense foliage, he advanced stealthily and eliminated the threat. Coming under fire from two more armed cadres, he swiftly rolled to the flank and neutralized both with precision fire. Continuing to dominate the situation, he identified the remaining armed cadres in a defiladed position. Disregarding personal safety, he advanced under fire and neutralized two more armed cadres.

His fearless leadership, conspicuous gallantry and unremitting resolve eliminated multiple armed cadres ensuring zero casualty to own troops. The officer's extraordinary bravery, fortitude and devotion to duty exemplify the highest military tradition.

For his valour and exceptional leadership under fire, **Major Arshdeep Singh is awarded “KIRTI CHAKRA”.**



“कीर्ति चक्र”

25284, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर

उड़ान (पायलट)

25284, ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर को 19 दिसंबर 1998 को भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा में लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन प्रदान किया गया तथा ये 01 फरवरी 2020 से वायु सेना मुख्यालय (वायु भवन) (इसरो में प्रतिनियुक्ति पर) की नफरी पर तैनात हैं।

ये एक अर्हताप्राप्त उड़ान अनुदेशक तथा एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं। ये भारत के प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान के लिए चुने गए चार गगनयात्रियों में से एक हैं।

ग्रुप कैप्टन को Axiom-4 मिशन में एक स्टैंडबाय मिशन पायलट के रूप में चुना गया था, जहां इन्होंने प्राइमरी मिशन कर्मी दल के सदस्यों के साथ अत्याधुनिक मिशन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्होंने रूस के यूरी गगारिन अंतरिक्षयात्री प्रशिक्षण केंद्र, इसरो के बेंगलुरु स्थित अंतरिक्षयात्री प्रशिक्षण केंद्र तथा यू.एस.ए. में नासा के केंद्रों सहित विभिन्न अंतरिक्ष एंजिसियों में अंतरिक्षयात्री प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनके प्रशिक्षण में जीरो गैरिटी सिमुलेशन, स्पेसवॉक ट्रेनिंग तथा स्पेशलाइज्ड स्पेसफ्लाइट ऑपरेशन शामिल थे। इस कड़े प्रशिक्षण के दौरान, इन्होंने मानव अंतरिक्षयान की आवश्यकताओं की मांग को लगातार पूरा करते हुए उत्कृष्ट शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता एवं एकाग्रता का प्रदर्शन किया।

Axiom-4 मिशन की तैयारी के दौरान, अपनी जान की परवाह न करते हुए इन्होंने अनजान खतरों का सामना करने की इच्छा शक्ति और अत्यधिक जोखिम भरी परिस्थितियों का संयम के साथ सामना करते हुए राष्ट्र की प्रगति में योगदान करने के दृढ़-संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने प्रक्रियाओं की वैधता, आपातकालीन प्रोटोकॉल, ऑपरेशनल तत्परता तथा तत्काल कार्रवाई करने हेतु पूर्ण तैयारी को बनाए रखने में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

इनके अदम्य साहस एवं असाधारण वीरता के प्रदर्शन के लिए **ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA”

25284, GROUP CAPTAIN PRASANTH BALAKRISHNAN NAIR FLYING (PILOT)

25284, Group Captain Prasanth Balakrishnan Nair was commissioned as a fighter pilot in the Flying branch of the IAF on 19 Dec 1998 and is on the posted strength of Air HQ (VB) (on deputation to ISRO) with effect from 01 Feb 2020.

He is a Qualified Flying Instructor and Experimental Test Pilot. He is one of the four Gaganyatris chosen for India’s maiden Human Space Flight Mission Gaganyaan.

He was selected to be the part of Axiom-4 mission as standby mission pilot, wherein, he underwent advanced mission training alongside the primary mission crewmember. He underwent astronaut training at multiple space agencies, including Russia’s Yuri Gagarin Cosmonaut Training Centre, ISRO’s Astronaut Training Facility at Bengaluru and NASA’s facilities in the USA. His training included zero gravity simulations, spacewalk training and specialised spaceflight operations. Throughout the rigorous training, he demonstrated outstanding physical endurance, mental resilience and focus, thereby consistently meeting the demanding requirements of human spaceflight.

Throughout the preparation for Axiom-4 mission, he displayed willingness to face the unknown, readiness to confront life-threatening situations with composure and the determination to contribute towards progress of the nation, even at great personal risk. He actively contributed towards validation of procedures, emergency protocols, operational readiness and maintaining complete preparedness to step in at short notice.

For his indomitable spirit and conspicuous bravery, **Group Captain Prasanth Balakrishnan Nair is awarded “KIRTI CHAKRA”.**



“कीर्ति चक्र”

आईसी-88733वाई कैप्टन लालरिनाओमा साईलो

4 पैरा (विशेष बल)

कप्तान लालरिनाओमा साईलो ने 11 दिसम्बर 2021 को भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त किया और चतुर्थ पैरा पलटन (विशेष बल) में शामिल हुए। श्रीनगर के घने जंगली इलाके में तीन आतंवादियों के छुपे होने की खूफिया सूचना मिलने के बाद एक आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन चलाया गया।

कप्तान साईलो ने टीम का नेतृत्व करते हुए कठिन इलाको और घने जंगल से टीम को 15 घंटे तक चलाकर नियत स्थान तक पहुंचाया।

घने जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान, कप्तान साईलो ने एक सन्धिगध गतिविधि देखी। रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपने स्कवाड को तुरंत रोका और संदिग्ध क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया।

40 मीटर की दूरी पर उन्होंने झाड़ियों के नीचे एक गुप्त ठिकाना देखा। बिना देरी किए उन्होंने अपनी टीम को पुनः व्यवस्थित कर एक सुरक्षित घेरा बनाया और मिनी आर पी वी से खतरे का विश्लेषण किया।

उन्होंने स्पष्ट रूप से उच्च श्रेणी के एक आतंकवादी की पहचान की, जो कि विगत दो वर्षों से सुरक्षा बलों पर कई आतंकी हमलों का मुखिया था। रणनीतिक संयमता दिखाते हुए उन्होंने आतंकवादियों पर सटीक फायरिंग से हमला किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, अत्यधिक साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए वह मुठभेड़ के दौरान आगे बढ़े और खूंखार आतंकी को मार गिराया। निर्भीकता, साहस व कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए प्रभावी गोलीबारी से उन्होंने बाकी आतंकवादियों को भी निष्प्रभावी कर दिया।

युद्ध कुशलता, अद्भुत बुद्धिमता और स्पेशल फोर्सेज की निपुणता को प्रदर्शित करने के लिए **कप्तान लालरिनाओमा साईलो को “कीर्ति चक्र” से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA”

IC-88733Y CAPTAIN LALRINAWMA SAILO

4 PARA (SPECIAL FORCES)

Captain Lalrinawma Sailo was commissioned and joined 4th Battalion, The Parachute Regiment on 11 December 2021. A counter terror operation was launched in the treacherous forested area in Srinagar District, post intelligence confirmation of presence of three hardcore terrorists.

Leading his team from front, he navigated his men through thick undergrowth and harsh terrain. Under pitch darkness his team trekked 15 hours to reach the designated location.

While conducting a deliberate search in the dense jungle, Captain Sailo observed suspicious movement in the undergrowth. Demonstrating tactical acumen, he halted his team and initiated a detailed scan of the area.

At a distance of 40 meters, he spotted a concealed hideout partially camouflaged under natural foliage. Without delay, Captain Sailo repositioned his squad to establish a tight cordon. He used mini RPV to analyse the threat.

He positively identified one of the terrorists as a high profile target, who was the mastermind of multiple attacks on security forces in last two years. Exhibiting tactical composure, he engaged the terrorists with surgical precision. In a bold action unmindful of his personal safety, displaying initiative, conspicuous gallantry and unparalleled bravery, he closed in with the terrorists under fire and neutralised one terrorist. Displaying daunting courage and devotion to duty, he continued to engage the remaining terrorists and neutralised them at close range.

For displaying warrior ethos, uncanny intelligence skills and embodying the finest traditions of **Special Forces, Captain Lalrinawma Sailo is awarded “KIRTI CHAKRA”.**



“शौर्य चक्र (मरणोपरांत)”

15507686के लांस दफादार बलदेव चंद (मरणोपरांत)

दि कवचित कोर, 4 राष्ट्रीय राइफल्स

दिनांक 19 सितम्बर 2025 को सामान्य क्षेत्र जिला किशतवाड़ में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान, लांस दफादार बलदेव चंद विश्वसनीय खूफिया सूचना के आधार पर संदिग्ध डेरा में स्थानीय लोगों से बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा थे।

अचानक सशस्त्र आतंकवादियों ने सैनिकों पर काबू में करने के प्रयास से हमला किया। इस गंभीर स्थिति में, अपने जीवन और साथी सैनिकों की जान को खतरे में समझते हुए, अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने अदम्य साहस दिखाते हुए एक आतंकवादी पर झपट्टा मारा। संघर्ष के दौरान उन्होंने आतंकवादी के हाथ से तुर्की निर्मित पिस्तौल छीन ली, जिससे उनके साथियों को तत्काल नुकसान से बचाया तथा उनकी टुकड़ी को दोबारा संगठित होकर घेरा बनाने में सक्षम बनाया। इस संघर्ष के दौरान दूसरे आतंकवादी ने गोली चलाई, जो उनके सीने में लगी। गंभीर घाव के बावजूद भी उन्होंने अंतिम सांस तक आतंकवादी से संघर्ष जारी रखा और वीरगति को प्राप्त हुए।

निडर पहल, वीरतापूर्ण कार्यवाही व भारतीय सेना की उच्चतम परंपराओं के अनुसार सर्वोच्च बलिदान के लिए **लांस दफादार बलदेव चंद को “शौर्य चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।**



“SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”

15507686K LANCE DAFADAR BALDEV CHAND (POSTHUMOUS)

THE ARMoured CORPS, 4 RASHTRIYA RIFLES

On 19 September 2025, during a counter-terrorist operation in high reaches of district Kishtwar, Lance Dafadar Baldev Chand was part of a team interacting with locals inside a suspected dera based on credible intelligence of terrorist presence.

Suddenly confronted by armed terrorists attempting to overpower the troops, he sensed an imminent threat to his own life and that of his fellow soldiers and with complete disregard for personal safety, boldly pounced upon an armed terrorist. In the ensuing fierce hand-to-hand combat and snatched a Turkish made pistol from his grasp, preventing immediate harm to his comrades and enabling his team to regroup and establish a cordon. During the struggle, a second terrorist opened fire, inflicting a grievous gunshot wound to his chest. Despite the mortal injury, he continued to grapple with the hostile till he succumbed to his wounds.

Lance Dafadar Baldev Chand’s fearless initiative, gallant action and supreme sacrifice in the face of certain death exemplify the highest traditions of the Indian Army, **Lance Dafadar Baldev Chand is awarded “SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”**.



“वीर चक्र (मरणोपरांत)”

870027370 उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तियाज (मरणोपरांत)

214005316 कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम (मरणोपरांत)

सीमा सुरक्षा बल

उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तियाज के साथ कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम और 07 बीएन बीएसएफ के 05 कर्मियों बीओपी खारकोला में तैनात किया गया था।

बीओपी खारकोला पर पूरी रात सीमा पार से मोर्टार गोलाबारी/फ्लैट ट्रैजेक्टरी फायर के साथ भारी गोलीबारी हुई। उप निरीक्षक इम्तियाज और जवानों ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

हवाई हमले का खतरा भांपते ही, उप निरीक्षक (जीडी) इम्तियाज ने चतुराई से कमांड बंकर से बाहर निकलकर खतरों को देखा। उन्होंने एलएमजी ली और गोली चलाकर एक खतरे को नाकाम कर दिया। कांस्टेबल (जीडी) दीपक ने भी दूसरे खतरे पर एलएमजी से गोली चलाई।

सीमा पार से दागा गया मोर्टार गोला मोर्चा के पास फट गया, जिससे उप निरीक्षक (जीडी) इम्तियाज और कांस्टेबल (जीडी) दीपक को कई गंभीर चोटें आईं।

उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तियाज, मोर्चे पर नेतृत्व करते हुए, गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें उनके हाथ-पैर टूट गए, पेट में चोट लगी और गर्दन व बांहों पर छर्रे के गहरे घाव हो गए। अपनी घातक स्थिति के बावजूद, उन्होंने आदेश देना और अपने सैनिकों को प्रेरित करना जारी रखा, और कहा: "जवानों, आज खत्म कर दो इनको", उप निरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम को भी सीने पर कई गंभीर चोटें आईं और टिबिया की हड्डी टूट गई। लेकिन अपने साथी को छोड़कर निकलने से इनकार कर दिया और लड़ाई जारी रखी। कांस्टेबल दीपक चिंगाखम ने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

इनके इस असाधारण साहस और शौर्यपूर्ण कृत्य के लिए **उप निरीक्षक (जीडी) मोहम्मद इम्तियाज और कांस्टेबल (जीडी) दीपक चिंगाखम को “वीर चक्र” (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाता है।**



“VIR CHAKRA (POSTHUMOUS)”

870027370 SUB INSPECTOR (GD) MOHD. IMTEYAJ (POSTHUMOUS)

214005316 CONSTABLE (GD) DEEPAK CHINGAKHAM (POSTHUMOUS)

BSF

SI(GD)Md Imteyaj alongwith Constable(GD) Deepak Chingakham and 05 personnel of 07 Bn BSF was deployed at BOP Kharkola.

BOP Kharkola came under intense firing involving heavy cross border mortar shelling/flat trajectory fire throughout the intervening night of the day. SI(GD) Imteyaj and troops gave befitting reply.

Upon sensing danger from aerial threat, SI(GD) Imteyaj tactically moved out of command bunker and spotted the threats. He took the LMG and fired, neutralizing one of the threats. Constable Deepak also fired from LMG on second threat.

Meanwhile mortar shell, fired from cross border, exploded near morcha, causing grievous injuries to SI(GD) Imteyaj and Constable(GD) Deepak.

Sub Inspector (GD) Mohd. Imteyaj, while leading from the front, sustained grievous injuries including mangled extremities, abdominal trauma and severe splinter wounds to his neck and arms. Despite his fatal condition, he continued issuing orders and motivating his troops, uttering: “Jawano, aaj khatam kar do inko”, he laid down life in the line of duty.

Constable (GD) Deepak Chingakham also sustained multiple grievous splinter injuries in his thorax and fractured tibia. Refusing evacuation and unwilling to abandon his buddy, he continued the fight, he laid down life in the line of duty.

For their act of exceptional gallantry and courage, **Sub Inspector (GD) Mohd. Imteyaj and Constable (GD) Deepak Chingakham are awarded “VIR CHAKRA” (POSTHUMOUS).**



“वीर चक्र (मरणोपरांत)”

9124126एफ राइफलमैन सुनील कुमार (मरणोपरांत)

4 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

राइफलमैन सुनील कुमार को 7वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल की सीमा चौकी खारकोला में संपर्क टुकड़ी के रूप में तैनात किया गया था।

रणबीर सिंह पुरा सेक्टर में सीमा पार से भारी गोलीबारी की सूचना मिली। राइफलमैन सुनील कुमार ने अपने बंकर के बेहद करीब एक सशस्त्र खतरे को देखा। उन्होंने लाइट मशीन गन की मारक क्षमता में खतरे के प्रति तुरंत सचेत किया। संभावित सशस्त्र पेलोड और चौकी पर उससे जुड़े खतरे को देखते हुए, राइफलमैन सुनील कुमार ने खतरे से निपटने का प्रयास किया। बंकर की संरचना और घने पेड़ों की कतार के कारण जब उक्त सशस्त्र खतरा विफल हो गया, तो राइफलमैन सुनील ने अपनी जान की परवाह न करते हुए बंकर से बाहर निकलकर प्रभावी ढंग से उससे मुकाबला किया और अपनी लाइट मशीन गन से उसे मार गिराया। हालाँकि, मुठभेड़ के दौरान, राइफलमैन सुनील कुमार कई छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और वीरगति को प्राप्त हो गए।

कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण साहस के लिए, **राइफलमैन सुनील कुमार को “वीर चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया गया है।**



“VIR CHAKRA (POSTHUMOUS)”

9124126F RIFLEMAN SUNIL KUMAR (POSTHUMOUS)

4TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

Rifleman Sunil Kumar was deployed as liaison detachment at Border Outpost Kharkola of 7 Battalion Border Security Force.

Heavy cross border firing was reported in Ranbir Singh Pura Sector. Rifleman Sunil Kumar noticed an armed threat approaching dangerously close to his bunker. He promptly alerted against the threat within the engagement range of Light Machine Gun. Concerned about the potential armed payload and related threat to the outpost, Rifleman Sunil Kumar attempted to engage the threat. As the ibid armed threat was defiladed due to bunker structure and dense tree line, Rifleman Sunil, with utter disregard to personal safety stepped out of the bunker, effectively engaged and brought it down by his Light Machine Gun. However, during the encounter with the threat, Rifleman Sunil Kumar succumbed to severe fatal multiple splinter injuries.

For his unwavering commitment to duty, exceptional courage, **Rifleman Sunil Kumar is awarded “VIR CHAKRA (POSTHUMOUS)”**.



“कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)”

4594379एम सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर (मरणोपरांत)

दि महार रेजिमेंट, 1 राष्ट्रीय राईफल्स

अनंतनाग जिले के एक गाँव में सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर एक सुरक्षा घेराबंदी व खोजी अभियान का हिस्सा थे।

1615 बजे सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर ने अपने ऑपरेशन मित्र नायब सुबेदार बीरेंद्र सिंह के साथ घेरे में व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। इन्होंने पूरे घेराबंदी को सचेत किया और चतुराई से अपनी जगह बेहतर कर आतंकवादियों को भागने से रोका। चुनौती देते ही आतंकवादियों ने इन पर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू की, जिस पर इन्होंने भारी और सटीक गोलाबारी से जवाबी कार्यवाही की और आतंकवादियों की घेराबंदी से भागने की कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने बुद्धितीय, बहादुरी और चतुर दिमाग का प्रदर्शन करते हुए, गोलीबारी के दौरान अपनी स्थिति सुविधाजनक स्थान में बदली और दो कट्टर आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया।

जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से उसके सिर में गंभीर चोट आई। सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर द्वारा मारे गए दो आतंकवादियों की पहचान श्रेणी ए और श्रेणी सी के आतंकवादियों के रूप में की गई।

सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर ने भारतीय सेना की सच्ची परम्परा के अनुसार अपना सर्वोच्चतम बलिदान दिया। इस अदम्य साहस, कर्तव्यपरायणता, अनुकरणीय वीरता के लिए **सिपाही जंजाल प्रवीण प्रभाकर को “कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।**



“KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”

4594379M SEPOY JANJAL PRAVIN PRABHAKAR (POSTHUMOUS)

THE MAHAR REGIMENT/1ST BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

Sepoy Janjal Pravin Prabhakar, was part of initial cordon during Cordon and Search Operation in village in Anantnag district.

At 1615 hours, Sepoy Janjal Pravin Prabhakar along with his operational buddy Naib Subedar Birender Singh observed suspicious movement of individuals inside the cordon. He alerted the entire cordon and manoeuvred himself to a tactically advantageous position in order to prevent the escape of terrorists. On challenging they opened fire to which he retaliated with heavy and accurate fire preventing their attempts to escape from cordon. Displaying unparalleled bravely and astute presence of mind, he shifted his position under fire to a vantage position and successfully neutralised two hardcore terrorists.

In the retaliatory fire by balance, he suffered a fatal gunshot wound to head him. Two hardcore terrorists neutralised by the individual were identified as, Category ‘A’ and Category ‘C’ terrorists.

Sepoy Janjal Pravin Prabhakar made supreme sacrifice in the true traditions of the Indian Army. For this act of courage beyond the call of duty, dogged determination and conspicuous gallantry **Sepoy Janjal Pravin Prabhakar is awarded “KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”**.



“कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)”

आईसी-91128डब्ल्यू लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी (मरणोपरांत)

दि सेना सेवा कोर/ 1 सिक्किम स्काउट्स

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी एक अत्यंत गतिशील और ऊर्जावान अधिकारी थे, जिन्होंने स्वेच्छा से उत्तरी सिक्किम के उच्च ऊँचाई वाले इलाकों में चुनौतीपूर्ण परिचालन गश्ती दल का नेतृत्व किया था।

गश्त के दौरान, मार्ग खोलते समय, एक साथी गश्ती दल का सदस्य अग्निवीर स्टीफन सुब्बा एक खतरनाक तेज बहने वाली निम्फुइछु नदी को पार करते समय अपना संतुलन खो बैठा और नदी में फिसल गया। यह महसूस करते हुए कि वह बह जाएगा, अधिकारी ने अपने जीवन और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना जोखिम भरी नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने अपने तैराकी कौशल और ऊर्जा को चरम सीमा तक धकेला और अग्निवीर स्टीफन को पकड़ लिया। लेफ्टिनेंट शशांक ने तेज चट्टानों के कारण आई गंभीर चोटों के बावजूद, अपने अटूट धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ यह सुनिश्चित किया कि उनके अग्निवीर स्टीफन को किनारे की ओर धकेला, जिससे उसकी जान बच गई। हालांकि, अत्यधिक पानी की धाराओं के कारण, लेफ्टिनेंट शशांक किसी भी चीज को नहीं पकड़ पाए और अपने अधीनस्थ को बचाते समय अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया। उनकी वीरतापूर्ण कार्यवाही भारतीय सेना के सौहार्द, निःस्वार्थ सेवा, अधिकारी और जवानों के बीच अटूट बंधन के मूल मूल्यों का एक शानदार उदाहरण है।

जीवन के लिए खतरा बने खतरों के सामने असाधारण वीरता, निःस्वार्थता और अडिग धैर्य दिखाने के लिए लेफ्टिनेंट **शशांक तिवारी को “कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)” पुरस्कार से सम्मानित जाता है।**



“KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”

IC-91128W LIEUTENANT SHASHANK TIWARI (POSTHUMOUS) THE ARMY SERVICE CORPS / 1ST BATTALION THE SIKKIM SCOUTS

Lieutenant Shashank Tiwari an extremely dynamic and energetic officer had volunteered for leading a challenging operational patrol in High Altitude terrains of North Sikkim.

During the patrol, while opening a route across a perilous fast flowing Nimuphuichhu river, Agniveer Stephenn Subba, a fellow patrol member lost his balance and slipped into the river. Sensing that he would be swept away, the officer leapt into the raging river with utter disregard for his own life and personal safety. He pushed his swimming skill and energy to extremity and got hold of Stephen. Lieutenant Shashank, despite sustaining grievous injuries due to sharp rocks, with his unwavering grit and resolve ensured that Agniveer Stephen was pushed towards the shore thus saving his life. However, due to extremely fast water currents, Lieutenant Shashank could not get hold of any anchors and succumbed to his injuries while rescuing his subordinate. His heroic action is a shining example of Indian Army's core values of camaraderie, selfless service and unbreakable bond between officer and men.

For his exceptional valour, selflessness and unwavering grit in the face of life threatening danger, **Lieutenant Shashank Tiwari is awarded “KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”**.